डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 341 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | रविवार 29 सितम्बर 2024 | मूल्य 2 रुपया

गलत इंजेक्शन से 17 नवजातों के शरीर पर हो गए फफोले..!

छह बच्चे आईसीयू में, एक दिन पहले ही जन्मे; पुलिस ने इंजेक्शन जप्त किए

नीमच, 28 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। बड़े अस्पताल में एक दिन पहले जन्मे 17 बच्चों की तबीयत एंटीबायोटिक इंजेक्शन लगाने के बाद बिगड़ गई। बच्चों को बुखार, उल्टी होने लगी और शरीर में फफोले आ गए। यह स्थिति देख शिशु वार्ड में हड़कंप मच गया। पुलिस और अस्पताल के अधिकारी मौके पर पहुंचे और परिजनों को समझाया। तबीयत बिगड़ने पर 6 बच्चों को आईसीयू में शिफ्ट किया गया। तीन बच्चों के परिजन उन्हें निजी अस्पताल ले गए। बाकी सभी बच्चे शिशु वार्ड में भर्ती हैं।

बताया जा रहा है कि सभी की स्थिति सामान्य है। पुलिस ने एंटीबायोटिक इंजेक्शन जब्त कर लिए हैं। जानकारी के अनुसार बड़े अस्पताल के शिशु वार्ड में शुक्रवार रात 8 बजे बाद ड्यूटी पर आए नर्सिंग स्टाफ ने भर्ती सभी 26 बच्चों को ठंड व कपकपी के लिए सेफ्ट्रिएक्सोन इंजेक्शन लगाया था। थोड़ी देर बाद ही कुछ बच्चों की तबीयत बिगड़ने लगी। वार्ड में अफरा-तफरी मच गई। इसके बाद एडीएम लक्ष्मी गामड़, एसडीएम ममता खेड़े, तहसीलदार संजय मालवीय, सिविल सर्जन महेंद्र पाटिल और टीआई पुष्पा चौहान पुलिस बल के साथ पहुंची थी।

पचास वायल का नया बॉक्स खोलकर लगाए इंजेक्शन...

नीमच एडीएम लक्ष्मी गामड़ ने कहा कि ड्यूटी स्टाफ ने सेफ्ट्रिएक्सोन इंजेक्शन के 50 वायल का बॉक्स खोलकर बच्चों को इंजेक्शन लगाया। सभी बच्चे एक दिन पहले जन्मे हैं। ये एंटीबायोटिक इंजेक्शन सुबह-शाम दिया जाता है। आशंका है कि इंजेक्शन के नए बॉक्स में रखे वायल में गड़बड़ी हो सकती है। हालांकि, यह जांच के बाद ही कंफर्म हो पाएगा। इंजेक्शन के सैंपल को जांच के लिए लैब भेजा गया है।

मामला राशन के अनाज की हेराफेरी का...

आंकड़े बयां कर रहे धांधली

संपन्न जिले में 60 प्रतिशत लोग सरकारी राशन पर निर्भर

मंदसौर, 28 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। सरकारी राशन की हेराफेरी की खबरें जिले में आम है। बहुत ही कम कमीशन या तनख्वाह पर बड़े नेताओं के आर्थिक रूप से संपन्न खास लोग दुकाने चला रहे हैं। इसके अलावा कई लखपति दुकानों का संचालन कर रहे हैं। कई फोर व्हीलर मेंटेन करने वाले दुकान संचालक का आय का साधन एकमात्र दुकान से होने वाली इनकम ही है। जबकि, दुकान से संचालक को होने वाली नियमानुसार आय की बात करें तो उससे सिर्फ पांच सदस्यों वाले परिवार का ही गुजारा हो सकता है। धांधली को बयां कर रहे हैं सरकारी आंकड़े।

आंकड़ो के अनुसार जिले के 60 प्रतिशत लोग सरकारी राशन पर निर्भर है। 15 लाख आबादी वाले जिले में 9 लाख 92 हजार 720 लोग ऐसे हैं, जो सरकारी राशन से अपना पेट भर रहे हैं। इस लिहाज से सिर्फ 40 फीसदी ही ऐसे है, जो अपने स्तर पर राशन खरीदकर पेट भर रहे है। जबकि, संपन्न माने जाने वाले मंदसौर जिले में 60 प्रतिशत लोग चार पहिया वाहन या अच्छा लिवींग स्टैंर्ड मेंटेन करते हैं। मतलब साफ है कि कहीं न कहीं तगड़ी हेराफेरी राशन की दुकानों में हो रही है। काला सोना कहे जाने वाली अफीम मंदसौर जिले की आर्थिक धुरी है। इसके अलावा लहसुन सहित उद्यानिकी फसलों व 110 प्रकार की औषधियां फसलों की खेती, दूध उत्पादन के साथ शहर व जिले में प्रदेश की आदर्श मंडिया संचालित है। व्यापक व्यापार और कारोबार के कारण ही जिले को आर्थिक रूप से संपन्न माना जाता है। उपलब्धियों की लंबी फेहरिस्त के बीच 9 लाख 92 हजार लोगों का राशन की सरकारी कतार में खड़ा होना सवाल और संदेह खड़ा कर रहा है।

फैक्ट फाइल...

ग्रामीण क्षेत्र में परिवारों की संख्या	1 लाख 93 हजार 836
इन परिवारों में सदस्यों की संख्या	8 लाख 23 हजार 434
शहरी क्षेत्र में परिवारों की संख्या	42 हजार 116
इन परिवारों में सदस्यों की संख्या	1 लाख 69 हजार 286
जिले में कुल परिवारों की संख्या	2 लाख 35 हजार 952
इन परिवारों में सदस्यों की संख्या	9 लाख 92 हजार 720
जिले की कुल आबादी	करीब 15 लाख

आबादी 15 लाख, 9.92 हजार ले रहे राशन...

वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार जिले की आबादी 13 लाख 39 हजार 832 थी। सांख्यिकी विभाग के अनुसार जिले में जनसंख्या वृद्धि 13.19प्रश हैं। इस अनुमान से वर्तमान में जिले की आबादी करीब 15 लाख है। इसमें से 9 लाख 92 हजार 720 लोग राशन पात्रता में शामिल हैं। 25 श्रेणियों में 15 लाख में से 9 लाख 92 हजार लोगों के नाम से पात्रता पर्ची जारी है और राशन भी मिल रहा है। 75 प्रतिशत लोग सरकार राशन ले रहे हैं और सिर्फ 25 फीसदी ही सरकारी राशन की श्रेणी से बाहर है।

लोगों को लूभा रहा संजीत का कचहरी टापू

विकास के किए जाते है केवल दावे

मंदसौर, 28 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए गांधीसागर बैकवाटर क्षेत्र के पुराने संजीत के कचहरी क्षेत्र में टापू विकसित करने का सपना पूरा नहीं हो पाया है। चार साल पहले तत्कालीन अधिकारियों ने पहल करके पर्यटकों के लिए स्टीमर शुरू करने सहित अन्य सुविधाओं की पहल की थी। समय बीतने व अधिकारियों के ट्रांसफर के साथ यह कवायद भी ठंडे बस्ते में चली गई। लेकिन, इस बारिश में लबालब भराए गांधीसागर के कारण बेकवाटर में जमा पानी लोगो को लूभा रहा है। आसपास के क्षेत्र से लोग कचहरी पाईंट पर पहुंचने लगे है।

बता दें कि तत्कालीन जिपं सीईओ ऋषभ गुप्ता सहित अधिकारियों ने पर्यटन की दृष्टिसे संजीत को विकसित करने के प्रयास किए थे। गांधीसागर के बैकवाटर क्षेत्र के गांव संजीत जहां तीन नदियां चंबल, शिवना व रेतम का संगम होता है। वहां पर्यटन को बढावा देने के लिए टापू को विकसित करने की योजना बनाई गई थी। इस प्रोजेक्ट को देखकर मल्हारगढ़ विधायक और वित्तमंत्री जगदीश देवड़ा ने पर्यटन क्षेत्र बनाने की बात कही थी। तत्कालीन सीईओ ने भी प्रयास किए। लेकिन स्थानांतरण के बाद प्रयास धरे रह गए और कोई पहल नहीं हुई। अब नवागत कलेक्टर से ग्रामीणों ने मामले में सुध लेने की मांग की है।

सवा बीघा में फैला टापू...

यह टापू गांधीसागर बैक वाटर के बीच सवा बीघा अर्थात करीब 30 हजार स्क्वेयर फीट में फैला है। हालांकि, सभी तहसीलो में बीघा का स्क्वेयर फीट अलग-अलग है। हमने मंदसौर के मान से लिखा है। जलस्तर से इसकी ऊंचाई लगभग 9 मीटर है। जानकारी के अनुसार यहां टापू को पानी के कटाव से बचाने के लिए चारों तरफ पिचिंग की योजना थी। यहां पहुंचने के लिए अस्थायी रूप से सड़क बनाना प्रस्तावित था। दावा था कि टापू के चारों ओर बाउंड्रीवॉल, पिचिंग व पौधारोपण होगा। टूलेन मार्ग से सुदूर सड़क तक जगह-जगह बगीचे तैयार होंगे। जैन स्थानक मंदिर, दरगाह व मस्जीद का कायाकल्प होगा। 8 स्टीमर संजीत-गांधीसागर जलमार्ग पर चलेंगे। इससे कंवला के मिनी गोवा सहित सीतामऊ के एलवी महादेव के दर्शन भी किए जा सकेंगे।

गांधी सागर बांध में अच्छी आवक, तीन छोटे गेट खोले

शनिवार को भी दिन भर चलती रही मद्धम-मद्धम फुहारे, सोयाबीन में नुकसान

मंदसौर, 28 सितबर गुरु एक्सप्रेस। दो दिन से जिले में रुक-रुक कर कहीं तेज तो कहीं हल्की बारिश का सिलसिला जारी है। इस मानसूनी बारिश से जहां तापमान में गिरावट आई है, वहीं जनजीवन भी प्रभावित हो रहा है। किसानों की फसलें भी प्रभावित हो गई हैं। इस समय जिले में सोयाबीन और अन्य फसलों की कटाई का काम युद्धस्तर पर चल रहा है। लगातार बारिश केकारण खेतों में कटी पड़ी सोयाबीन की फसल गीली हो गई है। इससे सोयाबीन की गुणवत्ता में गिरावट आने की संभावना बढ़ गई है, जिससे किसानों को उनकी फसल का उचित दाम नहीं मिल सकेगा।

शनिवार सुबह गांधी सागर बांध के तीन छोटे गेट खोले गए। दोपहर 12.30 बजे गांधी सागर बांध का जल स्तर 1311.18 फीट तक पहुंच गया था। बांध में पानी की आवक 94 हजार 500 क्यूसेक थी। शनिवार सुबह आठ बजे तक जिले में 24 घंटे में जिले में औसत आधा इंच से अधिक बारिश दर्ज की गई। अब जिले की औसत बारिश का आंकड़ा 34.05 इंच से उपर पहुंच गया है, जो सामान्य औसत बारिश से अधिक है। जिले में दो दिन और बारिश का अनुमान है। रविवार को भी कई स्थानों पर गरज चमक के साथ बारिश के आसार है। मौसम जानकारों के अनुसार मानसून ट्रफ और एक्टिव सिस्टम की वजह से प्रदेशभर में बारिश हो रही है। दो दिन में सिस्टम कमजोर हो जाएगा। इसके बाद अक्टूबर के पहले सप्ताह में मानसून की विदाई संभव है।

अवैध निर्माण करने वालों पर सरकार हुई सख्त

नगर पालिका अधिकारियों को सेट करने के बाद भी होगी कार्यवाही

भोपाल/मंदसौर, 28 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश सरकार अब अवैध निर्माण करने वालो पर सख्ती दिखाने वाली है। इधर मंदसौर शहर का राजमार्ग हो या अन्य कई जगह, जहां अवैध निर्माण को लेकर नगरपालिका के इंजीनियर सवालों के घेरे में है। नोटिस-नोटिस का खेल खेलकर लंबे समय से औपचारिकता पूरी की जा रही है। इस नोटिस- नोटिस के खेल में मकान या बिल्डिंग बनकर तैयार हो जाता है। लेकिन, अब नगरपालिका के कारिंदों को सेट कर नियमों के विरुद्ध निर्माण करने वालों के खिलाफ राज्य सरकार सख्त कदम उठाने जा रही है। अब इन पर कार्रवाई होना तय माना जा रहा है।

मकानों में अवैध निर्माण या बिना अनुमति निर्माण करनेवालों की अब खैर नहीं! ऐसे लोगों पर राज्य सरकार ने सख्त तेवर अख्तियार कर लिया है। मकानों में अवैध निर्माण पर राज्य सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। इस निर्णय के अंतर्गत मकान मालिकों को जुर्माना भरना होगा अन्यथा अंजाम भुगतना होगा। इसके साथ ही राज्य सरकार ने प्रदेशभर में सरकारी जमीन पर बने और बिना परमिशन के बने मकानों को खोजने का काम चालू कर दिया है। सरकार ऐसे मकानों के मालिकों से तगड़ा टैक्स वसूल करेगी। मकान में अवैध निर्माण करने, सरकारी जमीन पर बनाने या बिना अनुमति के बिल्डिंग तानेवाले अब छिप नहीं सकेंगे। राज्य सरकार अब ऐसे अवैध मकानों को ढूंढ रही है। ऐसे अवैध निर्माणों को चिंन्हित कर उनके मालिकों से भवन अनुज्ञा शुल्क और पेनल्टी जमा कराई जाएगी। इसके लिए नगरीय विकास एवं आवास विभाग के प्रापर्टी टैक्स पोर्टल में नया प्रावधान किया जा रहा है। इसमें बिना अनुमति केबने मकानों की जानकारी सीधे जिले के भवन एवं संनिर्माण कल्याण मंडल के उपकर निर्धारण अधिकारी के पास पहुंच जाएगी। इसके बाद भवन मालिक से बिल्डिंग परमिशन और भवन संनिर्माण मंडल का पेनल्टी सहित टैक्स वसूलने के लिए नोटिस भेजा जाएगा। नगरीय विकास एवं आवास विभाग उन मकानों के मालिकों से भी उपकर की राशि वसूलेगी, जो 1 नवंबर 2024 से पहले बन चुके हैं। इसके लिए कार्य योजना तैयार की जा रही है।

जमीन बंटवारे के विवाद में युवक पर जानलेवा हमला

पिता, भतीजे व अन्य दो पर हमला करने का आरोप

पिपलियामंडी, 28 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। जमीन बंटवारे के विवाद में पिता व भतीजे ने मिलकर युवक पर जानलेवा हमला किया, जिसे पिपलिया सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में उपचार के बाद मंदसौर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार शनिवार को शाम गांव जलोदिया में सत्येन्द्र सुथार पर हमला हुआ। जिसके गले पर चाकू से वार किया गया। सत्येन्द्र का आरोप है कि यह हमला उसके पिता रामचन्द्र सुथार, भतीजे सुरेश पिता प्रहलाद सुथार व दिली बावरी व एक अन्य व्यक्ति ने किया, व पिस्टल से भी हवाई फायर किया। सत्येन्द्र को पिपलिया में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में उपचार के बाद मंदसौर रेफर किया। बताया गया जमीन बंटवारे को लेकर दोनों पक्षों में विवाद चल रहा है, जिसकी पुलिस चौकी पिपलिया पर भी दोनों पक्षों द्वारा शिकायतें दर्ज कराई गई थी। इधर चौकी प्रभारी रितेश नागर ने बताया दोनों पक्षों में जमीन को लेकर कई वर्षों से विवाद चल रहा है, पिस्टल से फायर की पुष्टि नही हुई है, पुलिस जांच के बाद प्रकरण दर्ज किया जाएगा।

फैसला

तलवार से प्राणघातक हमला करने वाले तीन जन को सात साल की सजा

मंदसौर, 28 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। बड़े अस्पताल मंदसौर मेंउपचाररत महेश ने 06 अगस्त 2018 को इस आशय की देहाती नालसी लेखबद्ध कराई थी कि, ग्राम राकोदा का निवासी होकर खेती करता है। उसके दादा द्वारा भाईयो के मध्य बंटवारा आदि कर दिया गया था। किन्तु, उसके काका का लडका पंकज बराबर हिस्सा न मिलने की बात कर उससे रंजिश रखता है। इसी बात को लेकर शाम को 8 बजे उसके भतीजे अभिषेक का फोन आया और उसने बताया कि पंकज काका घर के बाहर हाथ में तलवार लिये हुए गाली गलौच कर रहा है और बोल रहा है कि महेश कहां है, आज उसे तलवार से काट दूंगा।

यह सुनते ही महेश अपने घर आया तो देखा की पंकज अपने हाथ मे लोहे की तलवार लेकर खड़ा था तथा उसके काका सुरेश व काकी सुमित्राबाई एवं घर के सदस्य भी थे। उसने पंकज से पूछा की क्या हो गया, तो पंकज ने उसे मां बहिन की अश्लील गालियां देकर बोला की तुझे जान से खत्म कर देगे। उसी समय काका सुरेश ने पीछे से पकड़ लिया और पंकज ने तलवार की मारी। जिससे उसे हाथ मे लगी। उसने अपना बचाव किया तो उसकी उंगली व कलाई मे तलवार की लगी। उसी समय उसकी मां शकुतंला बाई बीच बचाव करने आई तो उसकी मां को भी पंकज ने तलवार से मारी, जिससे उसकी मां के सिर मे लगी। उसका भाई राजेश दौड़कर आया तो उसकी काकी सुमित्राबाई ने उसे पकड लिया और पंकज ने उसके भाई राजेश को तलवार से मारा, जिससे राजेश के हाथ मे लगी। सभी आरोपी बोल रहे थे कि आज तो बच गये हो, अगर पुलिस में रिपोर्ट की तो जान से खत्म कर देगे।

देहातीं नालसी के आधार पर थाना भावगढ पर धारा 323, 294, 324, 506, 307, 34 भादंसं के तहत् मामला दर्ज किया गया। विवेचना के पश्चात भावगढ़ पुलिस द्वारा न्यायालय में अभियोग पत्र प्रस्तुत किया गया। अभियोजन पक्ष ने अपने समस्त दस्तावेज एवं जब्त हथियार न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करते हुए अपनी और से कुल 12 साक्षियो के कथन करवाते हुए मामला पूर्णतया प्रमाणित किया गया। अभियोजन पक्ष के दस्तावेज व बयानो पर न्यायालय द्वारा विश्वास करते हुए न्यायालय चतुर्थ अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश मंदसौर (पीठासीन न्यायाधीश विवेक बुखारिया) द्वारा आरोपी पंकज, सुरेश, सुमित्राबाई निवासी ग्राम राकोदा को 7 वर्ष का सश्रम कारावास एवं पांच-पांच हजार रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। उपरोक्त मामले में शासन की ओर से शासकीय अधिवक्ता भगवतीलाल शर्मा, तेजपालसिंह शक्तावत, भगवानसिंह चौहान, द्वारा पैरवी की गई।

प्रेमप्रसंग के साईड इफेक्ट...

नारायणगढ़ में कांग्रेस नेता की सुताई ?

दौड़ा-दौड़ाकर मारा, पहले साथी की हुई थी पिटाई

मंदसौर, 28 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। जिले के नारायणगढ़मे एक कांग्रेस नेता को नंगा करके परिवार के लोगो ने सार्वजानिक रूप से सुताई कर डाली। मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा हुवा बताया जा रहा है। प्रत्यक्षदर्शियो की माने तो कांग्रेस नेता पटेल का अपनी रिश्तेदार अर्थात परिवार की महिला के साथ काफी समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था। यह बात महिला के परिजनो की जानकारी में थी। किन्तु परिजनो को मौके की तलाश थी। शनिवार सुबह -सुबह जैसे ही मौका मिला, महिला के परिजनो ने कांग्रेस नेता की सार्वजनिक रूप से धुलाई कर डाली। नगर के नीम चौक मे किए गए इस नागरिक अभिनंदन में कांग्रेस नेता के सारे कपड़े फट गए। इसी अवस्था में कांग्रेस नेता काफी देर तक नीम चौक की सड़क पर नंगा पड़ा रहा। बताया जा रहा है महिला और कांग्रेस नेता पटेल आपस मे रिश्तेदार होकर परिवार के ही है। महिला पक्ष द्वारा कांग्रेस नेता की पिटाई करने के बाद कुछ परिवारजन थाने मे गये और रिपोर्ट कराई। मामले में पुलिस ने कांग्रेस नेता के खिलाफ छेड़छाड़ का प्रकरण दर्ज किया गया। बाद में थाने पहुंचे कांग्रेस नेता की तरफ से भी प्रकरण दर्ज किया गया।

बता दें कि कुछ दिनों पूर्व भी कांग्रेस नेता पटेल पीटते पीटते बचा था। इसका एक साथी जो अभी वर्तमान मे जनप्रतिनिधि है, उसके ऊपर भी महिला से छेड़छाड़ का प्रकरण दर्ज हुआ था। उस समय यह कांग्रेस नेता मौके की नजाकत देखते हुए मौके से खिसक लिया था।

विचार-मंथन

भारतीय महिलाओं की स्थिति दयनीय क्यों

आज हम भले ही 21वीं सदी में जी रहे हों और कहने को हमने महिलाओं को मान दिए हैं। लड़कियां पढ़-लिख भी रही हैं लेकिन आज भी हमारे समाज में महिलाओं को दयनीय स्थिति का सामना करना पड़ता है। अगर धर्म के नजरिए से देखें तो हालात तो सभी धर्मों में महिलाओं के प्रति रूढ़िवादी हैं किताबों में महिलाओं को ऊंचा दर्जा दिया गया है। धार्मिक उपदेश हो या संविधान सब जगह महिलाओं को सम्मान दिया गया है लेकिन यह सिर्फ कागजों में या उपदेशों में ही सीमित है। हमारे पुरुष प्रधान समाज में उत्पन्न विकृत सोच ने महिलाओं को सिर्फ वस्तु बना कर रख दिया है। अगर हम देखें कि आज महिलाओं को किन-किन हालातों से गुजरना पड़ रहा है तो हमारे पुरुष प्रधान समाज के रौंगटे खड़े हो जाएंगे। यौन अपराध दिनों-दिन न सिर्फ बढ़ रहे हैं अपितु इसमें बेहद क्रूरता भी आ गई है। हम महिलाओं को शर्म-हया करने की दुहाई देते हैं लेकिन उन पुरुषों की शर्म हया कहां चली गई जब एक 70 वर्षीय व्यक्ति दुकान पर सामान लेने आई 10 वर्ष की बच्ची को छेड़ता है। एक गर्भवती महिला रो-रोकर अपने गर्भवती होने की दुहाई देती है। लेकिन 3 पुरुष फिर भी उससे बलात्कार करते हैं। उन पुरुषों की मानसिकता को हम पशु से भी तुलना नहीं कर सकते क्योंकि पशुओं में इतनी समझ होती है कि वह भी अपनी गर्भवती साथी को वासना का शिकार नहीं बनाते। लेकिन हम कहां और कितने गिर गए कि हमें इसका अंदाजा भी नहीं है। इस डिजिटल युग में हमारे युवा फेसबुक जैसे माध्यमों से लड़कियों को फंसा कर उनका मानसिक और शारीरिक शोषण करते हैं। इसमें निःसंकोच में कहूंगा कि ऐसे युवा अपने धर्म बदल कर दूसरे धर्मों की लड़कियों को शोषित करते हैं जो बाद में झगड़े का कारण भी बनता है। रोजाना अखबारों में इस तरह की खबरें आती रहती हैं। कार्पोरेट सैक्टर हो या फिल्मी हीरोइनें सब जगह यौन शोषण एक आम बात हो गई है और हमारा समाज निरंतर गिरता जा रहा है। एक औरत यौन अपराधों के अलावा कहां-कहां अपमानित नहीं होती। उसे ससुराल में प्रताड़ना झेलनी पड़ती है। अगर ससुराल में लोभी और नीच प्रवृत्ति के लोग उसे मिल जाए। यहां महिलाएं ही महिलाओं का शोषण करती हैं। कहीं सास के रूप में कहीं ननद तो कहीं भाभी के रूप में। मैंने देखा है कि लड़की भले ही कितनी भी पढ़ी-लिखी या गुणी हो लेकिन सास-ननदों के अहं के सामने तो सब बेकार हैं और उस हालत में तो उसके साथ और भी बुरा होता है जब उसका पति भी उसे प्रताड़ित करता हो। घरों में आमतौर पर हम देख सकते हैं कि बहू अगर पढ़ी-लिखी आ जाए तो उसे घमंडी और उद्दंड कहने में सास या ननदें जरा भी नहीं हिचकतीं। कुल मिलाकर हम देख सकते हैं कि ज्यादातर घरों में महिलाएं मानसिक रूप से प्रताड़ित मिलती हैं। एक ओर पुरुष बाहर की दुनिया में उसे चैन से नहीं रहने देता। तो घर में घर की औरतें ही उसे चैन से नहीं रहने देतीं। कभी-कभी तो लगता है कि आखिर हमारे समाज को हो क्या गया है? हमारा नैतिक पतन किस हद तक गिर गया है? जिस महिला के पेट से जन्म लेते हैं उसका ऐसा हाल अलग-अलग रूपों में हो गया है कि सच में मैं यही कहूंगा कि एक लड़की यहां कितनी हिम्मत से कितना कुछ सह कर रही है। ऐसा नहीं कि यह असंभव सब में हो लेकिन ज्यादातर मामलों में कुछ अपवादों को छोड़ दें तो आज भी महिलाएं अपनी जिंदगी अपने हिसाब से नहीं जीतीं। मैं समझता हूं कि इन चीजों में सरकार और समाज सभी को मिलकर इस चुनौती से निपटना होगा। पुरुष और महिलाएं दोनों को मिलकर समाज के बिगड़े रूप को सुधारना पड़ेगा। सरकार का नारा ही बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ है, जिसमें बेटी बचाओ का मतलब है उसे पैदा होने दो गर्भ में ही उसे न मारो। इसके साथ ही साथ इस नारे का यह भी मतलब होना चाहिए बेटी बचाओ समाज के वहशी दरिंदों से, नालायक उन औरतों से जो सास, ननद, भाभियों के रूप में घरों में किसी एक औरत की दुश्मन बन जाती हैं। इन सबके लिए कड़े कानूनों के साथ समाज में भी जागरूकता पैदा करनी होगी। हर सभ्य महिला और सभ्य पुरुष को समाज को विकृत होने से बचाने के लिए आगे आना होगा अन्यथा हमारा पतन कोई नहीं रोक पाएगा।

क्या दिसानायके श्रीलंका के अंतिम कार्यकारी राष्ट्रपति होंगे?

अरुणिम भुयान

हंडुनेट्टी एनपीपी गठबंधन के राष्ट्रपति चुनाव घोषणापत्र में किए गए वादे को दोहरा रहे थे, जिसमें स्पष्ट रूप से कहा गया है कि एक नया संविधान तैयार किया जाएगा और आवश्यक परिवर्तनों के साथ सार्वजनिक चर्चा करके जनमत संग्रह के माध्यम से इसे पारित किया जाएगा. श्रीलंका ने 1948 में ब्रिटिश साम्राज्य से स्वतंत्रता प्राप्त की थी.उस समय इसे सीलोन के नाम से जाना था. संविधान के तहत जिसमें 1947 का सीलोन स्वतंत्रता अधिनियम और 1947 में सीलोन आदेश शामिल थे, सीलोन एक संवैधानिक राजतंत्र बन गया, जिसमें सरकार का वेस्टमिंस्टर संसदीय स्वरूप था. सीलोन के सम्राट (ब्रिटिश सम्राट) राज्य के प्रमुख के रूप में कार्य करते थे, जिनका प्रतिनिधित्व गवर्नर-जनरल द्वारा किया जाता था और प्रधानमंत्री सरकार के प्रमुख के रूप में कार्य करते थे. गवर्नर-जनरल ने ब्रिटिश सीलोन के गवर्नर के पद को प्रतिस्थापित किया, जिन्होंने पहले 1815 से पूरे द्वीप पर कार्यकारी नियंत्रण का प्रयोग किया था. 1972 में एक नया गणतंत्रात्मक संविधान अपनाया गया, जिसने देश का नाम सीलोन से बदलकर श्रीलंका करने के अलावा द्वीप राष्ट्र को संसदीय गणराज्य घोषित किया, जिसमें राष्ट्रपति राज्य का प्रमुख होता है. राष्ट्रपति काफी हद तक औपचारिक व्यक्ति था, वास्तविक शक्ति प्रधानमंत्री के पास ही रही. विलियम गोपालवा, जो सीलोन के अंतिम गवर्नर-जनरल के रूप में कार्यरत थे, श्रीलंका के पहले राष्ट्रपति बने थे. 1978 में संविधान के दूसरे संशोधन ने वेस्टमिंस्टर सिस्टम को सेमी- प्रेजिडेंट सिस्टम से बदल दिया और राष्ट्रपति पद फ्रांसीसी मॉडल पर आधारित एक कार्यकारी पद बन गया और अब यह राज्य का प्रमुख और सरकार का प्रमुख दोनों था, जिसका कार्यकाल लंबा था और यह संसद से स्वतंत्र था. राष्ट्रपति सशस्त्र बलों के कमांडर-इन-चीफ, मंत्रियों के मंत्रिमंडल के प्रमुख थे, और उनके पास संसद को भंग करने और बुलाने की शक्ति थी. प्रधानमंत्री राष्ट्रपति के सहायक और उप-प्रधान और राष्ट्रपति के उत्तराधिकारी दोनों के रूप में काम करता था. कार्यकारी राष्ट्रपति पद की शुरुआत 1978 में यूनाइटेड नेशनल पार्टी के अध्यक्ष जेआर जयवर्धने के नेतृत्व में की गई थी. इसका उद्देश्य कार्यकारी नेतृत्व में निरंतरता सुनिश्चित करके देश के शासन को स्थिर करना था, विशेष रूप से संकट के समय में और 1970 के दशक की आर्थिक और राजनीतिक चुनौतियों का समाधान करने के लिए अधिक केंद्रीकृत निर्णय लेने की प्रक्रिया को बढ़ावा देना था. जयवर्धने का मानना था कि यह सिस्टम तेजी से निर्णय लेने की अनुमति देगी, जिससे संसदीय प्रणालियों से जुड़े विधायी गतिरोध और गुटबाजी से बचा जा सकेगा. यह विशेष रूप से प्रासंगिक था, क्योंकि श्रीलंका को आर्थिक कठिनाइयों और सिंहली और तमिल अल्पसंख्यकों के बीच जातीय संघर्ष के शुरुआती संकेतों का सामना करना पड़ा था. रणसिंघे प्रेमदासा, डिंगिरी बांदा विजेतुंगा, चंद्रिका कुमारतुंगा, महिंदा राजपक्षे, मैत्रीपाला सिरिसेना, गोटाबाया राजपक्षे, रानिल विक्रमसिंघे और अब दिसानायके ने जयवर्धने के बाद कार्यकारी राष्ट्रपति के रूप में कार्यभार संभाला है. एक व्यक्ति के हाथों में सत्ता का संकेन्द्रण अक्सर अधिनायकवाद के आरोपों को जन्म देता है. इससे लोकतांत्रिक मानदंडों का उल्लंघन करने, मीडिया को नियंत्रित करने, विपक्ष को दबाने और असहमति को दबाया जा सकता है. सत्ता के इस केंद्रीकरण ने लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने की चिंताओं को जन्म दिया है. संसद को भंग करने की शक्ति और इमरजेंसी ऑर्डर के साथ इसे दरकिनार करने की क्षमता ने श्रीलंका की विधायी शाखा की प्रभावशीलता को कम कर दिया है. कार्यकारी राष्ट्रपति पद जांच और संतुलन में संसद की भूमिका को कम करता है, जिससे राष्ट्रपति को जवाबदेह ठहराना कठिन हो जाता है. अपार शक्ति के साथ सहयोगियों और परिवार के सदस्यों को महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्त करने की क्षमता भी आती है, जिससे भाई-भतीजावाद और भ्रष्टाचार के आरोप लगते हैं. कई राष्ट्रपतियों पर अपने पदों का इस्तेमाल वफादारों को पुरस्कृत करने और खुद को कानूनी जांच से बचाने के लिए करने का आरोप लगाया गया है. इस सिस्टम की आलोचना श्रीलंका के जातीय विभाजन को बढ़ाने के लिए की गई है, खासकर श्रीलंकाई गृहयुद्ध (1983-2009) के दौरान. कार्यकारी शक्तियों का इस्तेमाल अक्सर कठोर सैन्य और सुरक्षा उपायों को लागू करने के लिए किया जाता था, जिससे सिंहली बहुसंख्यकों और तमिल अल्पसंख्यकों के बीच तनाव बढ़ गया.राष्ट्रपति की जजों की नियुक्ति और न्यायिक मामलों को नियंत्रित करने की क्षमता को न्यायपालिका की स्वतंत्रता के लिए खतरा माना जाता रहा है. इसने कानूनी प्रणाली की निष्पक्षता पर चिंताएं बढ़ा दी हैं. कई लोगों का मानना?है कि कार्यकारी राष्ट्रपति पद को समाप्त करने से संसद की प्रधानता बहाल होगी और कार्यकारी, विधायी और न्यायिक शाखाओं के बीच शक्ति का अधिक संतुलित वितरण हो सकेगा. राष्ट्रपति को दी गई कानूनी छूट के बिना यह तर्क दिया जाता है कि शासन में अधिक पारदर्शिता और जवाबदेही होगी. सुधारों से राष्ट्रपति की निगरानी या कानूनी नतीजों के बिना कार्य करने की क्षमता सीमित हो सकती है. 2001 में पेश किए गए 17वें संविधान संशोधन ने राष्ट्रपति की कुछ शक्तियों को कम कर दिया, विशेष रूप से उच्च न्यायपालिका और स्वतंत्र आयोगों जैसे कि चुनाव आयोग या रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार आयोग की नियुक्ति के संबंध में. 2010 में राष्ट्रपति पद के लिए दो कार्यकाल की सीमा को हटाने के लिए संविधान में अत्यधिक विवादास्पद 18वां संशोधन पेश किया गया था. 18वें संशोधन ने मौजूदा राष्ट्रपति को कई कार्यकालों तक सेवा करने की अनुमति दी और साथ ही व्यापक संवैधानिक परिषद को सीमित संसदीय परिषद से बदलकर उनकी शक्ति को बढ़ाया. यह संशोधन तत्कालीन राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे द्वारा पेश किया गया था और बाद में उन्होंने 2015 में राष्ट्रपति पद के तीसरे कार्यकाल के लिए चुनाव लड़ा, जिसमें उन्हें मैत्रीपाला सिरिसेना ने हरा दिया. राष्ट्रपति की शक्तियों को कम करने के उद्देश्य से सबसे महत्वपूर्ण संशोधनों में से एक 19वां संशोधन था।

आई.टी. नियमों पर बॉम्बे उच्च न्यायालय के फैसले का स्वागत

विपिन पब्बी

लोकतंत्र के लिए दुखद होता है जब सरकार न्यायाधीश, जूरी और जल्लाद की भूमिका निभाने की कोशिश करती है। इलैक्ट्रॉनिक्स और आई.टी. मंत्रालय ने सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यवर्ती दिशा-निर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) संशोधन नियम, 2023 (आई.टी. नियम, 2023) बनाते समय यही करने की कोशिश की थी। संशोधित नियमों ने केंद्र सरकार की एक तथ्य जांच इकाई (एफ.सी.यू.) को 'केंद्र सरकार के किसी भी व्यवसाय' के संबंध में 'नकली या झूठी या भ्रामक जानकारी' की पहचान करने के लिए अधिकृत किया। इकाई को सरकारी अधिकारियों और मंत्रालयों के बारे में किसी भी ऑनलाइन टिप्पणी, समाचार रिपोर्ट या राय की जांच करने और फिर सैंसरशिप के लिए ऑनलाइन मध्यस्थों को सूचित करने के लिए अधिकृत किया गया था। संशोधन ने तथ्य जांच इकाई को 'केंद्र सरकार के किसी भी व्यवसाय' से संबंधित किसी भी ऑनलाइन सामग्री को वर्गीकृत करने और हटाने का अधिकार दिया, जिसे 'नकली, गलत या भ्रामक' माना जाता है। संशोधित नियमों के अनुसार, 'एक्स' (जिसे पहले ट्विटर कहा जाता था), 'इंस्टाग्राम' और 'फेसबुक' जैसे सोशल मीडिया बिचौलियों को या तो कंटैंट हटाना होगा या सरकार के एफ.सी.यू. द्वारा उनके प्लेटफॉर्म पर कंटैंट की पहचान करने के बाद डिस्क्लेमर जोड़ना होगा। नियमों में यह परिभाषित नहीं किया गया कि 'फर्जी या झूठी या भ्रामक' जानकारी क्या होती है, न ही उन्होंने 'तथ्य जांच इकाई' के लिए योग्यता या सुनवाई प्रक्रियाओं को निर्दिष्ट किया। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि नए नियमों को शुरू में 2 जनवरी, 2023 को एक मसौदे के रूप में जारी किया गया था और इसमें केवल ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों को विनियमित करने के प्रावधान थे। हालांकि, परामर्श की समय सीमा से कुछ घंटे पहले, मंत्रालय ने एक नया मसौदा प्रकाशित किया जिसमें सोशल मीडिया सामग्री तक विस्तारित तथ्य-जांच शक्तियां शामिल थीं। संशोधित नियमों को चुनौती दी गई और एडिटर्स गिल्ड जैसे कई संगठनों ने इसे वापस लेने का आग्रह करते हुए एक बयान जारी किया। गिल्ड ने कहा कि मंत्रालय ने बिना किसी सार्थक परामर्श के, जिसका उसने वायदा किया था संशोधन को अधिसूचित कर दिया था। इंडियन न्यूजपेपर सोसाइटी ने बताया कि संशोधन सरकार को अपने कार्यों की किसी भी आलोचना को प्रतिबंधित करने की अनुमति देगा। हास्य कलाकार कुणाल कामरा, जिन्होंने मूल रूप से संशोधित नियमों के खिलाफ याचिका दायर की थी, ने कहा था कि वह एक राजनीतिक व्यंग्यकार हैं जो अपनी सामग्री सांझा करने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर निर्भर हैं और नियम 'उनकी सामग्री पर मनमाने ढंग से सैंसरशिप' की ओर ले जा सकते हैं क्योंकि इसे ब्लॉक किया जा सकता है, हटाया जा सकता है या उनके सोशल मीडिया अकाऊंट को निलंबित या निष्क्रिय किया जा सकता है। बॉम्बे हाई कोर्ट के जस्टिस अतुल एस चंदुरकर ने अब संशोधित आई.टी. नियमों को 'असंवैधानिक' करार दिया है। उनका फैसला इस साल जनवरी में 2 जजों की खंडपीठ द्वारा संशोधित नियमों को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर विभाजित फैसले के बाद आया है। संशोधित नियमों को खारिज करते हुए, न्यायमूर्ति चंदुरकर ने कहा कि 'नकली, झूठी या भ्रामक' अभिव्यक्तियां 'अस्पष्ट और अति व्यापक' थीं, और 'आनुपातिकता का परीक्षण' संतुष्ट नहीं था। उन्होंने कहा कि यह भी 'राज्य की जिम्मेदारी नहीं है कि वह सुनिश्चित करे कि नागरिक केवल 'सूचना' के हकदार हैं जो एफ.सी.यू. द्वारा पहचानी गई नकली, झूठी या भ्रामक नहीं है। न्यायाधीश ने कहा कि आरोपित नियम अनुच्छेद 19 (1) (ए) (भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता) के तहत मौलिक अधिकार को प्रतिबंधित करने का प्रयास करता है, जो अनुच्छेद 19 (2) के तहत दिए गए उचित प्रतिबंधों के अनुसार नहीं है।_ न्यायमूर्ति चंदुरकर द्वारा उठाया गया एक अन्य महत्वपूर्ण बिंदु यह था कि यह निर्धारित करने के लिए 'कोई आधार या तर्क' नहीं था कि केंद्र सरकार के व्यवसाय से संबंधित जानकारी डिजिटल रूप में होने पर नकली या झूठी है, जबकि समान जानकारी प्रिंट होने पर समान अभ्यास नहीं किया जाता है।

ऑस्कर की दौड़ में शामिल हो गई हमारी लापता लेडीज

विश्व के सर्वाधिक प्रतिष्ठित फिल्म पुरस्कार ऑस्कर में इस बार लापता लेडीज भारत का प्रतिनिधित्व करेगी। फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया ने जैसे ही इसे भारत की ओर से आधिकारिक रूप से ऑस्कर में भेजने की घोषणा की, तो बहुत से सिने प्रेमियों ने इस पर प्रसन्नता दिखाई, पर एक बड़ा वर्ग इसका विरोध भी कर रहा है। हालांकि, सभी का मानना है कि लापता लेडीज एक अच्छी फिल्म है, मगर फेडरेशन ने जिन 29 भारतीय फिल्मों में से इसका चयन किया है, उसमें इससे भी अच्छी कई फिल्में थीं। वैसे, भारत की ओर से ऑस्कर के लिए भेजी जाने वाली फिल्मों के चयन पर अक्सर उंगलियां उठती रही हैं। ऐसे विरोध को तब और बल मिल जाता है, जब भारत से भेजी फिल्म ऑस्कर जीतना तो दूर, वहां नामांकित तक नहीं होती है, जबकि विश्व सिनेमा के अन्य मंचों पर भारतीय सिनेमा की धाक बरसों से रही है। विश्व में सर्वाधिक फिल्म बनाने वाले भारत का ऑस्कर प्रतियोगिता में पिछड़ना निश्चय ही दुखद है। अब यह ऑस्कर में गलत फिल्म भेजने के कारण हो रहा है या प्रतियोगिता में अन्य देशों की फिल्में भारतीय फिल्मों से बेहतर होती हैं, यह गहन अध्ययन का विषय है। इतना जरूर है कि भारत में अच्छी फिल्मों और अच्छे फिल्मकारों की कमी नहीं है, कमी उनके आकलन में है। अब विश्व भर में किसी भी फिल्मी हस्ती का मूल्यांकन ऑस्कर से होता है, इसलिए बड़ी से बड़ी हस्ती ऑस्कर पाने का सपना देखती है। भारत का भी ऑस्कर फिल्म समारोह से पुराना नाता है। इसने पहली बार 1957 में मदर इंडिया भेजकर ऑस्कर के 30वें समारोह की प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था। भारत का इतने बरसों बाद ऑस्कर में भाग लेने का कारण यह था कि इससे पहले ऑस्कर में 'सर्वश्रेष्ठ विदेशी भाषा' की श्रेणी नहीं थी। तब से अब तक भारत ऑस्कर प्रतियोगिता के लिए अपनी 57 फिल्में भेज चुका है, पर एक बार भी किसी भारतीय फिल्म को सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार नहीं मिला है। यहां तक कि इस पुरस्कार के लिए भारत को नामांकन भी सिर्फतीन फिल्मों के लिए ही मिल सका है। महबूब खान की मदर इंडिया, मीरा नायर की सलाम बॉम्बे (1988) और आशुतोष गोवारिकर-आमिर खान की लगान (2001)। फिल्म लगान के इस नामांकन के लिए भी आमिर और आशुतोष करीब दो महीने अमेरिका में रहकर जूरी के सदस्यों को अपनी फिल्म दिखाने के लिए पुरजोर गुजारिश करते रहे थे। अभी तक जिन भारतीयों को ऑस्कर मिलने का सौभाग्य मिला है, उनमें सत्यजित राय अकेले ऐसे व्यक्ति हैं, जिनकी फिल्मों को तो कोई ऑस्कर नहीं मिला, पर 1992 में उन्हें 'जीवन पर्यंत उपलब्धियों' के लिए ऑस्कर दिया गया। इनसे पहले सन् 1983 में रिचर्ड एटनबरो की गांधी में सर्वश्रेष्ठ वेशभूषा के लिए भानु अथैया को ऑस्कर मिला। ऑस्कर में भारत को एक बड़ी सफलता 2009 में तब मिली, जब स्लमडॉग मिलेनियर के गीत, संगीत और ध्वनि श्रेणियों में तीन भारतीय-गुलजार, ए आर रहमान और रसूल पुकुट्टी को ऑस्कर मिलने पर भारत की 'जय हो' हो गई। फिर 2023 के ऑस्कर में भारत को दो ऑस्कर और मिले। एक सर्वश्रेष्ठ वृत्त चित्र द एलिफेंट व्हिसपर्स को। दूसरा, आरआरआर के गीत नाटू नाटू के लिए चंद्रबोस और एमएम किरवानी को। यह बड़ी सफलता इसलिए थी कि पहली बार किसी भारतीय मूल की फिल्म के लिए ये ऑस्कर मिले।

स्वच्छता ही सेवा के अंतर्गत संवाद कार्यक्रम सम्पन्न

गरोठ, 28 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। आज दिनांक 28.09.2024 नगर परिषद् अध्यक्ष , मुख्य नगर परिषद् अधिकारी श्री वीरेंद्र कुमार मेहता के निर्देशानुसार 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के अंतर्गत आज नगर के नवीन कन्यशाला गरोठ मैं स्वछता संवाद का आयोजन किया गया जिसमे उपस्थित बच्चो को बताया गया कि हमारे नगर मैं स्वछता की रीढ़ की हड्डी कचरा वाहन एवम घर से निकलने वाले कचरे गीले एवम सूखे को दो अलग अलग भागो मैं रख कर कचरा वाहन मैं डालने के लिए बताया गया और घर से निकलते समय जुट के झोले के इस्तेमाल कर नगर को पॉलीथिन मुक्त बनाने मे सहयोग प्रदान करे व नगर परिषद गरोठ के बोलिया रोड पर स्थित ट्रेचिंग ग्राउंड पर प्रोसेसिंग प्लांटस मे 100% कचरा सेग्रीगेशन किया जा रहा है, से अवगत कराया। इस अवसर पर नवीन कन्यशाला गरोठ के प्राचार्य श्री देवेंद्र सिसोदिया जी, सुरेश प्रजापति व नगर परिषद कर्मचारी श्री नितेश चन्देल के द्वारा स्वच्छता शपथ दिलाई गई।

गर्ल्स कालेज में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया

मंदसौर, 28 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। शासकीय कन्या महाविद्यालय, मंदसौर की प्राचार्य श्रीमती रजनी यादव ने बताया कि महाविद्यालय में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। जिसके अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं निबंध, स्लोगन, पोस्टर का आयोजन किया गया। निबंध प्रतियोगिता में श्रेष्ठपांच छात्रायें मान्यता शर्मा बी.ए द्वितीय वर्ष, साक्षी चन्द्रावत बी.ए द्वितीय वर्ष,

पूजा पाटीदार बी.एससी तृतीय वर्ष, अक्षिता तिवारी बीबीए प्रथम वर्ष, संस्कृति मुरडिया बीबीए प्रथम वर्ष विजेता रही। इसी प्रकार स्लोगन प्रतियोगिता में पूजा पाटीदार बी.एससी तृतीय वर्ष,साक्षी चन्द्रावत बी.ए द्वितीय वर्ष, रिद्धी लालवानी बीबी.ए प्रथम वर्ष, मोनिका धाकड बी.ए तृतीय वषर्, पोस्टर प्रतियोगिता में पार्वती माली बी.एससी तृतीय वर्ष, आराधना गुप्ता बी.ए द्वितीय वर्ष विजेता रही। प्रतियोगिताओं में महाविद्यालय की 30 छात्राओं ने सहभागिता की। इस अवसर पर महाविद्यालयीन स्टाफ उपस्थित रहा।

प्राणी मात्र के उद्धार के सहज उपाय बताए हैं भागवत में-उपाध्याय

भागवत कथा में दिया मार्गदर्शन, तेज बरसात के बावजूद श्रद्धालु भक्त कथा श्रवण करते रहे

नीमच, 28 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। भागवत ही एक ऐसा शास्त्र है जिसको पढ़ने श्रवण करने से ही मनुष्य कल्याण संभव हो जाता है ।वेदव्यास जी ने इसकी सुंदर रचना की है, जिसमें जीव मात्र के उद्धार के सहज उपाय बताए गए हैं इसलिए मनुष्य को इसका अध्ययन और श्रवण करते रहना चाहिए, ताकि यह और अगला जन्म भी सुधर जाए।

यह बात पंडित प्रमोद उपाध्याय महाराज ने कही। वे हुडको कॉलोनी बगीचा नंबर दो मंदिर के पास भक्ति पंडाल में महिला मातृशक्ति एवं भक्त मंडल द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के मध्य बोल रहे थे ।उन्होंने कथा प्रसंग के माध्यम से बताया कि धुंधकारी दुराचारी था लेकिन उसके भाई गौकर्ण ने श्रीमद् भागवत कथा श्रवण करवा कर उसे मोक्ष दिलाया। उन्होंने कहा कि मनुष्य को सदैव सत्कर्म करने का प्रयास करना चाहिए, क्योंकि कर्मों का फल देर सवेर अवश्य मिलता है इसलिए प्रत्येक कार्य को सोच विचार कर ही करना चाहिए। तेज बरसात के बावजूद श्रद्धालु भक्त कथा श्रवण करते रहे। भागवत पौथी पुजन में बड़ी संख्या में अनेक श्रद्धालु भक्त उपस्थित थे। आरती के बाद प्रसाद वितरण किया गया।

शिव विवाह में पुष्प वर्षा- श्रीमद् भागवत ज्ञान गंगा में कथा के मध्य पंडित प्रमोद महाराज ने शिव पार्वती विवाह का प्रसंग बताया तो श्रद्धालु शिव पार्वती की जय जय घोष लगाने लगे। शिव का अभिनय भूमि सोनी, पार्वती का अभिनय यक्षत सोनी, दिव्यांसी सोनी, पार्वती दिव्यांशी सोनी ,निवेदिता सोनी, ने प्रभावी अभिनय प्रस्तुत किया। श्रद्धालु भक्तों ने पुष्प वर्षा कर अगवानी की।

आज का राशिफल

मेष [illegible]

वृषभ [illegible]

मिथुन [illegible]

कर्क [illegible]

सिंह [illegible]

कन्या [illegible]

तुला [illegible]

वृश्चिक [illegible]

धनु [illegible]

मकर [illegible]

कुंभ [illegible]

मीन [illegible]

स्वच्छता के लिए नवाचार, हमारा छोटू स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर कैंपेन की शुरुआत

15 विद्यालय के 1100 विद्यार्थी बने स्वच्छता प्रेरक, 2 स्कूली बच्चों को बनाया ब्रांड एंबेसडर

पिपलियामंडी, 28 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। नगर परिषद पिपलिया ने नगर में स्वच्छता के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से स्वच्छता ही सेवा 2024 के तहत विद्यालयों में अध्यनरत बच्चों के साथ एक नवाचार हमारा छोटू ब्रांड एंबेसडर कैंपेन लागू किया है। नगर के सोकडी स्थित ट्रेंचिंग ग्राउंड पर आयोजित कार्यक्रम में दो बच्चों को वर्ष 2024 का छोटू ब्रांड एंबेसडर घोषित किया। नगर परिषद ने विगत एक माह से नगर में 15 स्कूलों में जाकर वहां अध्ययन कर रहे कक्षा 6 से 8 वीं के बच्चों को स्वच्छता प्रेरक बनने के उद्देश्य से स्वच्छता विषय की जानकारी दी तथा स्कूल स्तर पर स्वच्छता को लेकर प्रश्न पत्र तैयार कर परीक्षा आयोजित की। प्रत्येक स्कूल से मेरिट में आए 15 विद्यालयों के 15 बच्चों के मध्य ट्रेंचिंग ग्राउंड पर अंतिम चयन प्रतियोगिता हुई, जिसमें संयुक्त रूप से दो बच्चों को इस वर्ष का हमारा छोटू स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर घोषित किया। दोनों छोटू ब्रांड एंबेसडर ने ट्रेंचिंग ग्राउंड पर बनाए गए हमारा छोटू ब्रांड एंबेसडर द्वार का रिबन काटकर लोकार्पण किया। बाद में एक पेड मां के नाम अभियान के तहत बच्चों ने पौधरापेण किया। ट्रेंचिंग ग्राउंड पर ही बच्चों को मीड डे मील का वितरण भी किया। कार्यक्रम की शुरुआत में नगर परिषद पिपलियामंडी के स्वच्छता नोडल अधिकारी एवं सब इंजीनियर राजेश उपाध्याय ने छोटू ब्रांड एंबेसडर कैंपेन की अवधारणा की शुरुआत कैसे हुई इसकी जानकारी दी, उन्होंने बताया कि नगर के सभी 15 स्कूलों के कक्षा छठी से आठवीं तक के विद्यार्थियों को ब्रांड एंबेसडर बनाया गया है, इस वर्ष का छोटू ब्रांड एंबेसडर घोषित करने के लिए विधिवत सभी स्कूलों में 30 मार्क्स की स्वच्छता परीक्षा ली गई, प्रत्येक स्कूल के मेरिट में आए बच्चों के मध्य प्रतियोगिता ट्रेंचिंग ग्राउंड पर हुई। इस वर्ष का छोटू ब्रांड एंबेसडर चुनने के लिए स्वच्छ भारत मिशन भोपाल से आईईसी विशेषज्ञ डॉ. हिमांशु शुक्ला, उज्जैन संभाग के विशेषज्ञ जितेंद्र गुर्जर वाडिया ने चयन प्रक्रिया आयोजित की, इस प्रतियोगिता में नगर के नेचूरल पब्लिक स्कूल की ओर से निकुंज शर्मा, कबीर इंटरनेशनल स्कूल की ओर से कुमारी निष्ठा विश्वकर्मा, डेफोडिल्स पब्लिक स्कूल की ओर से कुमारी सोनाक्षी पोरवाल, गौरव इंग्लिश स्कूल की ओर से साधना सिद्धि, होली क्रॉस स्कूल की ओर से आदित्य राजसिंह, शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय से अमन राठौर, कन्या माध्यमिक विद्यालय की ओर से कुमारी महिमा, शारदा हायर सेकेंडरी स्कूल की ओर से छवि यादव, सरस्वती हायर सेकेंडरी स्कूल की ओर से प्रियांशी दायम, एमपी पब्लिक स्कूल की ओर से एंजल कनेसरिया, साधना विद्या मंदिर की ओर से इंदरसिंह, शासकीय कन्या माध्यमिक विद्यालय पिपलियापंथ की ओर से प्राची कुंवर तथा माउंट केरेमल स्कूल की ओर से परी माली ने सहभागिता की। तीन चरणों में की गई चयन प्रक्रिया में नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती इंदिरा सुनील देवरिया ने डेफोडिल्स स्कूल की सोनाक्षी पोरवाल तथा होली क्रॉस स्कूल के आदित्यराजसिंह को संयुक्त रूप से इस वर्ष का हमारा छोटू स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर घोषित किया। मुख्य नगर पालिका अधिकारी प्रवीण सेन ने सुनील देवरिया को शहर का ब्रांड एंबेसडर नियुक्त कर नियुक्ति पत्र सौंपा। इस अवसर सरस्वती शिशु मंदिर, होली क्रॉस कन्वेंट स्कूल, शासकीय माध्यमिक विद्यालय पिपलियापंथ, डेफोडिल्स इंग्लिश स्कूल, शारदा पब्लिक स्कूल ने स्वच्छता को लेकर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। वहीं प्रदेश के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवडा ने भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम में सहभागिता की। ट्रेंचिंग ग्राउंड में भ्रमण के उपरांत सभी विद्यार्थियों को रिफ्रेशमेंट दिया जाकर स्वच्छता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर पार्षदगण संतोष योगी, माया महावर, बाबूभाई मंसूरी, संगीता धनोतिया, धापूबाई कोहली, सरफराज मेव, वंदना तिवारी, ललित कसेरा के अलावा नपकर्मी महावीर जैन, आदिल खान, मुकेश राठौर, दिनेश चौहान, सुनील साहू, सुनील मेहता, इब्राहिम खान, शुभम बैरागी, मुकेश सैनी, विजय शर्मा, इमरान खान, अजय राठौर आदि उपस्थित रहे। संचालन शाकउमावि की व्याख्याता श्रीमती विनीता मेहता व शाबाउमावि के व्याख्याता निर्मल सुनार्थी ने किया। आभार नगर परिषद के उपाध्यक्ष भारतसिंह सोनगरा ने माना।

हमारा छोटू स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर में आखिर क्या है नया:- कार्यक्रम की रुपरेखा तैयार करने वाले नगर परिषद के सब इंजीनियर एवं स्वच्छता नोडल अधिकारी राजेश उपाध्याय ने बताया इस अभियान के तहत नगर के 15 स्कूलों के कक्षा छठी से आठवीं तक के लगभग 1100 बच्चों को ट्रेंचिंग ग्राउंड पर भ्रमण करने के उपरांत एक स्वच्छता की पाती (पत्र) बच्चों को सौंपी, बच्चे उक्त पाती (पत्र) घर ले जाकर अपने अभिभावकों को देंगे। बच्चों की ओर से लिखी हुई इस पाती में बच्चे अपने माता-पिता से यह निवेदन कर रहे हैं कि आप नगर की स्वच्छता में अपना सहयोग प्रदान करें, इस पाती का जवाब बच्चों के अभिभावक भी पत्र लिखकर बच्चों को देंगे, जिसमें वे नगर को स्वच्छ रखने में अपना दायित्व निभाने का अभिवचन देंगे। यह दोनों पत्र नगर परिषद प्रिंट करा कर दिए गए है। अभिभावकों के इस जवाब को लाकर बच्चे अपने स्कूल के टीचर को उपलब्ध कराएंगे, इन पत्रों के साथ नगर परिषद ने एक स्टीकर भी उपलब्ध कराया, जिस पर यह हमारे छोटू ब्रांड एंबेसडर का निवास स्थान है लिखा गया है। प्रति दिवस जो कचरा वाहन नगरवासियों के घर जाता है, तब नगर परिषद के कर्मचारी कचरे को पृथक-पृथक करने के लिए तथा सड़क की सफाई हो जाने के बाद सडक और नाली पर कचरा ना डालने का अभिभावकों से विनम्र निवेदन करेंगे, प्रति दिवस बच्चों एवं अभिभावकों ने स्वच्छता के इस दायित्व का निर्वहन किया या नहीं इसकी मॉनीटरिंग नगर परिषद करेगी। जिन बच्चों और उसके परिवार ने स्वच्छता के प्रति पूरी तरह दायित्व का निर्वाह करेंगे, ऐसे बच्चों को निरंतर सार्वजनिक रूप से सम्मानित किए जाने की नगर परिषद की योजना है।

अतिवृष्टि से किसानों की फसलें हुई नष्ट

आंकलन करा कर मुआवजा व बीमा प्रदान करें, विधायक जैन ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर पीड़ित किसानों को राहत देने की मांग

मंदसौर, 28 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर विधानसभा के जागरूक विधायक श्री विपिन जैन अतिवृष्टि से पीड़ित अन्नदाता किसानों को राहत राशि एवं बीमा प्रदान करने के लिये निरंतर प्रयास कर रहे है। विधायक श्री जैन ने बारिश के कारण प्रभावित गांवों का निरीक्षण भी किया तथा किसानों की समस्याओं को सुना। शनिवार को विधायक श्री जैन ने मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव को पत्र लिखकर अतिवृष्टि से अन्नदाता किसान भाईयो की नष्टसोयाबीन व अन्य फसलों के आकलन का निर्देश देकर तुरंत राहत राशि व बीमा प्रदाय किये जाने की मांग की।

उक्त जानकारी देते हुए मीडिया प्रभारी राजनारायण लाड ने बताया कि विधायक श्री जैन ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया है कि मंदसौर विधानसभा क्षेत्र सहित पूरे जिले मे अधिकांश स्थानों पर पिछले चौबीस घंटो से लगातार बारीश हो रही है तथा वर्तमान मे फसल कटाई का कार्य चल रहा है और किसान भाईयो की सोयाबीन, उडद, मूंग, मूंगफली, मक्का, और अन्य फसल खेतो मे ही खडी है तथा लगातार बारीश होने से फसले गिली होकर खेतो में ही सडने लगी है इल्लियो, पिले मोजेक और अफलन की मार झेलने के बाद बची कुची फसल भी किसान भाई अपने घर नही ला पाया है। और लगातार ग्रामीण क्षेत्रों से फसलों के नष्ट होने की सूचनाए आ रही है अत्यधिक बारिश से खेतों में पानी भरा पडा है विधायक श्री जैन ने आगे कहा की मेरे द्वारा स्वयं भी विधानसभा क्षेत्र में भ्रमण किया गया है जिसमे क्षेत्र में स्थिति बडी गंभीर है किसानों को लाभ प्राप्त होना तो दूर की बात है उसके द्वारा लगाई गई लागत भी निकलना मुश्किल है और किसानों को आगामी रबी की फसल की बुआई की तैयारी भी करना है किसान बडा चिंतित है वह समर्थन खरीदी में भी देरी है मजबूरन किसान के पास जो थोडी बहुत फसल हाथ लगी है वह भी वह कम मूल्य मे बेचने को विवश है भारी भरकम बिल, महंगा बीज, दवाई, डीजल, पेट्रोल, मजदूरी, खाद की मार झेलने के बाद किसान बर्बादी की राह पर खडा है तथा खून के आंसू रो रहा है। विधायक श्री जैन ने मुख्यमंत्री से विधानसभा क्षेत्र सहित संपूर्ण जिले के अन्नदाता किसान भाईयो की ओर से अनुरोध किया कि तत्काल इस संबंध में कृषि और राजस्व अमले से नुकसानी का आकलन कर मुआवजा और बीमा प्रदाय किये जाने के संबंध मे निर्देशित करे। विधायक श्री जैन ने इस संबंध में जिला कलेक्टर को भी आवश्यक कार्यवाही हेतु कहा है।

हर्ष व्यास का राज्य स्तरीय वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता में चयन

मंदसौर, 28 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। सत्यम पब्लिक स्कूल गरोठ के होनहार खिलाडी हर्ष व्यास, पिता कुलदीप व्यास, का चयन राज्य स्तरीय वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता के लिए हुआ है। विद्यालय के खेल शिक्षक प्रतीक व्यास ने जानकारी दी कि भानपुरा में आयोजित संभाग स्तरीय शालेय वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता में हर्ष व्यास ने मंदसौर जिले का प्रतिनिधित्व करते हुए 19 वर्ष के अंतर्गत 73 किलोग्राम भार वर्ग में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। इसी आधार पर उनका चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया है।

राज्य स्तरीय वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता 3 अक्टूबर से 7 अक्टूबर 2024 तक सीहोर में आयोजित की जाएगी, जिसमें हर्ष व्यास उज्जैन संभाग का प्रतिनिधित्व करेंगे। हर्ष व्यास की इस उपलब्धि पर जिला क्रीड़ा अधिकारी बंशीलाल बॉरीवाल, ब्लॉक शिक्षा अधिकारी भगवान सिंह चौहान, संकुल प्राचार्य देवेंद्र सिसोदिया, ब्लॉक क्रीड़ा अधिकारी राजेश नाडिया, विद्यालय संचालक सौरभ जैन, शुभम गुप्ता, प्राचार्य अनिल चौधरी, खेल शिक्षक प्रतीक व्यास, दर्शन पंवार, तरुण लोहार और सत्यम पब्लिक विद्यालय परिवार ने उन्हें बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ प्रेषित की हैं।

सविम केशव नगर, मंदसौर में परीक्षा परिणाम वितरीत

मंदसौर, 28 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर केशव नगर, मंदसौर में कक्षा नर्सरी से चतुर्थ तक एवं कक्षा पंचम से द्वादश तक त्रैमासिक परीक्षा परिणाम वितरण किया गया हैं, जिसमें भैया बहनों ने शैक्षणिक रुचि का आकलन किया गया, अतिथि व अभिभावक द्वारा दीप प्रज्वलन कर मां सरस्वती के चित्र पर पुष्पर्जन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अभिभावक गोष्ठी में अतिथि द्वारा भैया बहिन के शिक्षण मे सुधार हेतु मार्गदर्शन किया गया।

शिक्षा ही एक ऐसा माध्यम है जो हमें सफलता की ओर अग्रसर करता है। ज्ञान में किए निवेश से सबसे उत्तम लाभ प्राप्त होता है। परीक्षा परिणाम प्रोजेक्टर पर ऑनलाइन घोषित किया व कक्षाचार्य ने सभी भैया बहनों का उत्साहवर्धन करते हुए परीक्षा परिणाम को वितरित किया गया । इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विद्यालय संचालन समिति प्रो. राजेंद्र सिंह शिक्षण समिति के अध्यक्ष डॉ रविंद्र कुमार जी सोहोनी, सचिव श्री मिलिन जी व्यास, समिति सदस्य श्री प्रमोद जी सेठिया, श्री दिनेश जी पालीवाल साथ ही अभिभावक भी उपस्थित रहे। विद्यालय के प्राचार्य श्री संतोष यादव एवं प्रधानाचार्य श्री राजपलसिंह सिसोदिया ने सभी कक्षाचार्य से परीक्षा परिणाम की जानकारी ली एवं अवलोकन किया। विद्यालय के खेल रत्न जो अखिल भारतीय भारोत्तोलन एवं तैरकी प्रतियोगिता मे सभागी होंगे उनको समिति परिवार, विद्यालय परिवार एवं अभिभावक द्वारा अग्रिम शुभकामना दी गई।

स्वच्छता ही सेवा अभियान अंतर्गत मलासुर अभियान चलाया

नारायणगढ़, 28 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। नगर परिषद नारायणगढ द्वारा, स्वच्छता ही सेवा राष्ट्रव्यापी अभियान 'स्वभाव स्वच्छता - संस्कार स्वच्छता' दिनाँक 17 सितंबर 2024 से 2 अक्टूबर 2024 चलाया जा रहा है। शासन एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री प्रमोद जी जैन से प्राप्त निर्देशानुसार दिनांक 25 सितम्बर 2024 को वार्ड नंबर 15 स्थित आंगनबाडी केंद्र पर आंगनवाडी कार्यकर्ता, सहायिका, स्वयं सहायता समूह की महिलाये, वार्ड की महिलाओ, स्कूलीय छात्राओं को स्वच्छता ही सेवा अभियान अंतर्गत मलासुर अभियान चलाया गया। जिसके अंतर्गत हर 3 साल मे सेप्टिक टैंक ज़रूर खाली कराए और पानी को मलासुर से बचाए। सेप्टिक टैंक की सफाई अधिकृत सफाई मित्र से ही कराये। अगर कोई भी सफाई मित्र बिना सुरक्षा उपकरणों के सेप्टीक टैंक खाली करते हुए पाया जाता है तो उसकी सूचना तुरंत 14420 पर दें। साथ ही होम कंपोस्टिंग, सिंगल यूज प्लास्टिक, विषयो पर चर्चा करते हुए जागरूक किया गया। अभियान में नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती ममता कुंवर जी चौहान, उपाध्यक्ष महोदय वीरेंद्र जी रुपरा, मुख्य नगर पालिका अधिकारी प्रमोद जी जैन, स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडर दिनेश जी दक आंगनवाडी कार्यकर्ता और सहायिका, स्वयं सहायता समूह की महिलाएं, छात्राएं, महिलाये एवं निकाय कर्मचारी मौजूद थे। अभियान में पधारे हुए नागरिकजनों को स्वच्छता और प्लास्टिक प्रतिबंध की शपथ दिलाई गई। आयोजित कार्यक्रम जीरो वेस्ट पर आधारित था।

नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर एक को

नीमच, 28 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। राष्ट्रीय वृद्धजन स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रम के अन्तर्गत एक अक्टूमबर मंगलवार को अंर्तराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर जिला चिकित्सालय नीमच में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है। सिविल सर्जन डॉ. महेन्द्र पाटील ने बताया, कि यह शिविर ट्रॉमा भवन की ओ.पी.डी. में प्रात: 9 बजे से शाम 4 बजे तक आयोजित होगा। स्वास्थ्य शिविर में वृद्धजनों में होने वाली संचारी - असंचारी एवं वृद्धावस्था से जुडी बीमारियों की नि:शुल्क जांच कर, उपचार व दवाई वितरण किया जावेगा तथा वृद्धजनों को आवश्यथक चिकित्साो परामर्श दिया जाएगा। शिविर में वृद्धजनों के आभा आई.डी. कार्ड एवं पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड भी बनाये जाएंगे। वृद्धजन अपना आधार कार्ड शिविर में अवश्य साथ लाए। इस अवसर पर जिला चिकित्सालय की फिजियोथेरेपी यूनिट मे नि:शुल्क फिजियोथेरेपी की जाएगी। सिविल सर्जन डॉ. पाटिल एवं एन.सी.डी. नोडल डॉ. मनीष यादव ने जिले के वृद्धजनों से शिविर का अधिकाधिक लाभ लेने की अपील की है।

जोकचन्द ने की किसानों को राहत प्रदान करने की मांग

पिपलियामंडी, 28 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश से सोयाबीन, उडद, मूंग, मक्का, मूंगफली सहित सभी खरीब की फसलें बर्बाद हो गई है, खास तौर पर कटाई के समय बारिश से अन्नदाता परेशान है, पूरी की पूरी फसल गीली होकर खेतों में ही सडने लगी है। किसान नेता श्यामलाल जोकचंद्र ने प्रदेश सरकार से किसानों को राहत प्रदान करने की मांग की। जोकचन्द कहा कि बरसात से हुए नुकसान पर शीघ्र मध्यप्रदेश सरकार को अन्नदाताओं की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए तत्काल सोयाबीन की फसल सहित अन्य फसल का मुआवजा देना चाहिए साथ ही किसानों को रबी की फसल बुआई के लिए खाद बीज उपलब्ध कराने के साथ ही बैंकों व बिजली बिलों की ऋण वसूली स्थगित कर देना चाहिए।

दो दिन से हो रही बारिश से सोयाबीन फसल हुई खराब

सर्वेकर मुआवजा देने के लिए मुख्यमंत्री को जिपं सदस्य प्रतिनिधी कछावा ने लिखा पत्र

मनासा, 28 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। क्षेत्र में दो दिन से हो रही बारिष से खेतो में कटी हुई और खडी सोयाबीन की फसल सहित अन्य फसले पुरी तरह से खराब हो चुकी है। किसानो की फसल खेतो में पानी में तैर रही है। ऐसे में किसान दुखी और परेशान है। बारिश से खराब हुई फसल का सर्वे कर मुआवजा देने की मांग को लेकर जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधी आर. सागर कछावा ने प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखा है।

लगातार हो रही बारिश के कारण किसान खेतो से फसल बाहर नही निकाल पाया है। बारिश ने किसानो के मुंह में आया हुआ निवाला छिन लिया है। पहले ही सोयाबीन सहित अन्य फसलो की पैदावार भी कम हुई है। बारिश से किसानो पर दोहरी मार पडी है। खेतो में सोयाबीन पानी में तैर रही है। किसानो की फसल नुकसानी का सरकार सर्वे कर मुआवजा दे। इसको लेकर जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधी कछावा ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखा। पत्र में लिखा कि मनासा विधानसभा क्षेत्र में दो दिनो से बारिश से सोयाबीन, उड्द, मक्का और अन्य फसले चौपट हो चुकी है। किसानो को फसल की लागत किमत तक नही मिल पा रही है। ऐसे में सोयाबीन के भाव भी काफी डाउन है। ऐसे समय में सरकार जिला कलेक्टर को निर्देश दे कि वे मनासा क्षेत्र में फसल नुकसानी का सर्वे कराकर किसानो को मुआवजा दे ताकि किसानो को राहत मिल सके। कछावा ने बताया कि इस संबंध मे मुख्यमंत्री और कलेक्टर को पत्र लिखा है।

विनर क्लब द्वारा आयोजित संजा प्रतियोगिता का शुभारंभ

मंदसौर, 28 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। नगर की सामाजिक एवं धार्मिक संस्था विनर क्लब मातृशक्ति वाहिनी द्वारा भारत का लोक पर्व संजा पर आयोजित प्रतियोगिता का शुभारंभ कुमावत धर्मशाला पर हुआ। इस प्रतियोगिता में जिसमें 23 प्रतिभागी भाग ले रहे है जिनके द्वारा परम्परा अनुसार गोबर से संजा मनाई जाएगी। विजेताओं को क्लब द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा। संजा प्रतियोगिता का शुभारंभ समाजसेवी श्वेता कपूर, पूर्णिमा सोनी के आतिथ्य में हुआ।

शुभारंभ अवसर पर श्वेता कपूर ने कहा कि भारतीय परम्परानुसार गोबर से संजा माता को सजाना और किला कोट बनाया जाता है। इसी परम्परा को जीवित रखने हेतु क्लब द्वारा प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। संजा पर्व हमें पर्यावरण व अपने परिवेश से जोडने का पर्व है लेकिन इलेक्ट्रानिक युग में भौतिक साधनों के चलते हमें अपने लोक पर्वों की अनदेखी करने लगे है। ऐसे में विनर क्लब हमारे लोक पर्वों को विधि विधान से मनाने व उनकी गरिमा बनाये रखने का प्रयास सदैव से करता आया है। प्रतियोगिता का शुभारंभ भारत माता व स्वामी विवेकानन्द के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर क्लब की वरिष्ठमधु नाराणिया, सुनीता कुमावत, निशा कुमावत, शशि झलोया, आरती दवे, सीता कच्छावा, मालती गेहलोद, राखी मण्डोवरा, सुधा मुंगड, पूजा सेन ठाकुर, सीमा चौरडिया, कु. प्राची कुमावत सहित विनर क्लब परिवार के सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन अर्चना गुप्ता ने किया व आभार मालती गेहलोत ने माना।

मध्यप्रदेश सरकार द्वारा 6 सूत्रीय मांगों को स्वीकृत करने से सफाई कर्मचारियों में हर्ष

सफाई कर्मचारी संगठनों ने किया मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त

मंदसौर, 28 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। अ.भा. वाल्मीकि महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जीवन गोसर ने बताया कि प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा लम्बे समय से सफाई कर्मचारियों की 6 सूत्रीय मांगों को स्वीकृत कर सफाई कर्मचारियों को बडी सौगात दी है। मध्यप्रदेश सरकार के इस फैसले से सफाई कर्मचारियों में हर्ष व्यक्त किया है।

राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की अध्यक्ष प्रताप करोसिया मांगों को मनवाने हेतु लम्बे समय से प्रयासरत है तथा विगत दिनों मंदसौर पधारी आयोग उपाध्यक्ष श्रीमती अंजना पंवार को भी मांगों के संबंध में अवगत कराया था। जिस पर डॉ. मोहन यादव सरकार द्वारा सफाई कर्मचारियों की मांगों जिनमें में न्यूनतम वेतन 18 हजार रू. करने, परिवार के एक सदस्य को अनुकम्पा नियुक्ति, रिक्त पदों पर नियुक्ति, प्राइवेट कर्मचारियों को स्थायी करने आदि मांगों को मानकर सफाई कर्मचारियों को तोहफा दिया है। अ.भा. वाल्मीकि महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जीवन गोसर, सकल वाल्मीकि समाज मंदसौर, अ.भा. सफाई मजदूर संघ प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष गोसर, नगर अध्यक्ष मनीष धारू, मध्यप्रदेश कर्मचारी मंच के जिलाध्यक्ष यशपाल सलोद, जिला उपाध्यक्ष राजू चनाल भगत, जिला सचिव सतीश बालोदा, सहित चौधरी नरेश परमार, पटेल मुकेश चनाल, वरिष्ठ घीसालाल केसरिया, ईश्वरलाल गोसर, बसंत परमार, भूपेन्द्र धारू, विजय परमार, संजय रील, एडवोकेट अनिल अठवाल, राजेश परमार, रवि डागर, पप्पू रील, शांतिलाल सरताज, दिलीप चनाल, भारत चनाल, विष्णु मकवाना, विनोद दलोर, मनोहर तंवर, राकेश तंवर, गोवर्धन हंस, सनी फतरोड, कमल सरताज, गौरव कल्याणे, बंटी लोठ, अजय भाटी, टोनू पंडित, जितेन्द्र अठवाल सहित समस्त सफाई कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग सामाजिकन्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की अध्यक्ष प्रताप करोसिया, उपाध्यक्ष श्रीमती अंजना पंवार का आभार व्यक्त किया है।

श्री अग्रसेन जयंती पर पांच दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम का आगाज आज से

मंदसौर, 28 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। अग्रवाल समाज देशी पंचायत मंदसौर द्वारा महाराजा अग्रसेन जी की 5148 वी जन्म जयंती पांच दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ हर्षोल्लास के साथ मनाई जाएगी। 29 सितंबर रविवार से कार्यक्रम आरम्भ होंगे तथा 3 अक्टूबर गुरुवार को महाराजा अग्रसेन जी की जन्म जयंती पर जनकुपुरा स्थित नरसिंह मंदिर से नगर में संध्या 4 :00 बजे गाजे बाजे के साथ विशाल चल समारोह निकलेगा।

इस आशय की जानकारी देते हुए अग्रवाल समाज देशी पंचायत के अध्यक्ष आशीष गुप्ता एवं महासचिव ओम अग्रवाल सर ने बताया कि 29 सितंबर रविवार को प्रात: 8:30 बजे नरसिंहपुरा स्थित महाराजा अग्रसेन मांगलिक भवन परिसर में दीप प्रज्वलित कर पांच दिवसीय महाराजा अग्रसेन जी की जन्म जयंती का शुभारंभ किया जाएगा तत्पश्चात प्रात: 9:00 बजे से अग्रवाल महिला प्रीमियर लीग क्रिकेट स्पर्धा का आयोजन रखा गया है। दोपहर 2:30 बजे मेरा रूप तेरा रंग नर्सरी से कक्षा एक तक के लिए तथा उंगलियों की अठकलिया कक्षा 2 से पांचवी, दोपहर 3:00 बजे आइसक्रीम स्टिक से आकृति बनाना। दोपहर 3:30 बजे मैंगो बनाना ग्रेप्स, बैलून रेस तथा बाल इन ग्लास संध्या 4 बजे कमर में लचका , संध्या 4:30 बजे हम डूबेंगे तुम्हें लेकर, रात्रि 8:00 बजे फैंसी ड्रेस 0 से 3 वर्ष तक के बच्चों के लिए भगवान के रूप में तैयार होकर आना। रात्रि 9:00 बजे फैंसी ड्रेस नर्सरी से कक्षा 2 तक के लिए प्रान्तीय वेशभूषा, रात्रि 9:30 बजे एपीएल क्रिकेट टीम का चयन, रात्रि 10:00 बजे फैंसी ड्रेस कक्षा तीन से आठवीं तक के विद्यार्थियों के लिए वृक्ष की महिमा पर आधारित रहेगी। 30 सितम्बर सोमवार को दोपहर 3.30 बजे कलश सजाओ , 4 बजे तेरी किस्मत मेरे साथ, संध्या 5 बजे बचपन की मस्ती, 5.30 बजे में हु अलबेली, रात्रि 7 बजे कैरम, 8 बजे चन्दा है तू मेरा सूरज है तू तथा रात्रि 9 बजे ताल पर थिरकते कदम प्रतियोगिता का आयोजन रखा गया है। 1 अक्टूबर मंगलवार को प्रात: 8:00 बजे बैडमिंटन, दोपहर 3:30 बजे थापा सजाओ, संध्या 4:30 बजे अल्फाबेट सर्कल गेम, 5:00 अग्रसेन के वंशज चेयर रेस ,रात्रि 8:00 बजे गर्ल्स क्लब की प्रस्तुति, 8.30 बजे नवरस कवि सम्मेलन, रात्रि 9.30 बजे फैशन शो का आयोजन रखा गया है। 2 अक्टूबर बुधवार को प्रात: 7:00 बजे से अग्रवाल प्रीमियम लिंक 15 वर्ष से उम्रर के सभी युवाओं एवं पुरुषों के लिए क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन रखा गया है। दोपहर 2:00 बजे श्रीनाथजी का फोटो सजाना तथा मातृभाषा पहचानाओ, 3:00 बजे न्यूज़ पेपर बैग बनाना, 3.30 बजे वाटर कलर से रंगोली बनाना ,रात्रि 8:00 बजे रामायण प्रस्तुति अग्रभक्ति ग्रुप द्वारा ,रात्रि 8:30 बजे ग्रुप डांस खुशियों के रंग रस्मों के संग का आयोजन रखा गया है। 3 अक्टूबर गुरुवार को 1008 पितृ पुरुष महाराजा अग्रसेन जी की जन्म जयंती पर प्रात: 9:15 बजे जनकुपुरा स्थित नरसिंह मंदिर पर श्री जानकीलाल कबाडी परिवार द्वारा अभिषेक पूजन का आयोजन रखा गया है। तत्पश्चात संध्या 4:00 बजे नगर में बैंड बाजे ओर ढोल धमाकों के साथ भव्य समारोह निकलेगा जो नरसिंह मंदिर गणपति चौक से होता हुआ नगर के प्रमुख मार्गों अशोक टॉकीज ,शुक्ला चौक, कालाखेत ,घंटाघर ,बस स्टैंड, बालाजी मंदिर से नीलम होटल रोड से सीधा होता हुआ नयापुरा माहेश्वरी धर्मशाला के पास से नरसिंहपुरा स्थित अग्रसेन मांगलिक भवन पहुंचेगा। जहा पर पांच दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रमों के पुरस्कार वितरित किए जाएंगे ओर समाज की महा प्रसादी होगी। चल समारोह में सभी वर्ग हेतु वेल ड्रेस प्रतियोगिता रखी गई है चयनित प्रति भागियो को राजकुमार अशोक कुमार मित्तल अशोक टॉकीज एवं सुभाष अर्चना गुप्ता परिवार की ओर से सम्मानित किया जाएगा।

प्रतिभा सम्मान- कक्षा 10 वीं एवं 12वीं में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले समाज के प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान स्व. दिलीप गर्ग की स्मृति में अंकित इलेक्ट्रॉनिक परिवार द्वारा, आईआईएम एवं आईआईटी में चयन होने तथा सीए की परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाली प्रतिभाओं को स्वर्गीय श्री मोहनलाल जी रामप्यारी बाई गर्ग की स्मृति में रामेश्वर गर्ग परिवार की ओर से सम्मानित किया जाएगा। खेलकूद स्पर्धा में राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर भाग लेने वाले खिलाडियों को समाज की ओर से सम्मानित किया जाएगा। समाज के अध्यक्ष आशीष गुप्ता, महासचिव ओम अग्रवाल सर, महामंत्री हेमंत अग्रवाल , महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती शशि अग्रवाल ,महासचिव श्रीमती रानी सिंहल, श्रीमती श्वेता अग्रवाल गर्ल्स क्लब अध्यक्ष सुश्री आशी गोयल, महासचिव खुशी गोयल, नवयुवक मंडल अध्यक्ष गौरव मित्तल ,सचिव अंशुल अग्रवाल ने समस्त अग्र बंधुओ से अनुरोध किया कि अग्रसेन जयंती पर आयोजित पांच दिवसीय कार्यक्रमों में सपरिवार सम्मिलित होकर महाराजा अग्रसेन जी की जयंती धूमधाम से मनावे।

पर्यटन के क्षेत्र में विश्व के मानचित्र पर होगी मध्यप्रदेश की अलग पहचान-मुख्यमंत्री

नीमच, 28 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने पर्यटकों को मध्यप्रदेश आने का निमंत्रण दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा, कि मध्यप्रदेश सरकार ने प्रदेश में पर्यटन के क्षेत्र में बहुत विकास किया है। मध्यप्रदेश की सबसे पहली विशेषता यह है, कि हृदय स्थली के रूप में देश के मध्य में स्थित है और अपनी भौगोलिक स्थिति के कारण ही यह मध्य प्रदेश कहलाता है। देश के मध्य में स्थित होने के कारण पर्यटकों के लिए देश के किसी भी कोने से मध्यप्रदेश आने में सुविधा होती है। मध्यप्रदेश में चौड़ी सड़कें, पुल, पहाड़ों और गांवों तक सड़कों का जाल बिछा होने से पर्यटक सहजता से पर्यटन स्थलों का भ्रमण कर सकते हैं।

टाईगर स्टेट है मध्यप्रदेश–मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा, कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से मध्यप्रदेश के कूनो नेशनल पार्क में दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया से लाए गए चीतों को विस्थापित किया गया है। मध्यप्रदेश में प्राकृतिक सौन्दर्य, नदियां, पहाड़, हरियाली और वृहद भाग में फैले वन क्षेत्र और उसमें स्वतंत्र विचरण करते वन्य-प्राणी पर्यटकों को मन मोह लेते हैं। मध्यप्रदेश में 7 टाइगर रिजर्व, 11 नेशनल पार्क और 25 अभयारण्य हैं।

प्राकृतिक सौंदर्य के साथ धार्मिक और स्थापत्य कला का बेजोड़ संगम है म.प्र.–ऐतिहासिक धरोहर के रूप में भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षा का केन्द्र रहे सांदीपनी आश्रम उज्जैन, पांडवों के आज्ञातवास की निवास स्थली पचमढ़ी, बेजोड़ मूर्तिकला का प्रदर्शन चंदेल राजाओं के द्वारा निर्मित खजुराहो मंदिर देखने के लिए देश ही नहीं विदेशी पर्यटकों का बड़ी संख्या में आवागमन होता है। उन्होंने कहा, कि माँ नर्मदा के उद्गम स्थल अमरकंटक, झांसी की महारानी लक्ष्मी बाई की वीरता और संगीत सम्राट तानसेन की जन्मस्थली के ऐतिहासिक गाथाओं के साक्षी ग्वालियर भी पर्यटकों की रूचि का केन्द्र है।

महाकाल की नगरी उज्जैन–मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा, कि देश के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक महाकाल ज्योर्तिलिंग उज्जैन के महाकाल लोक और दूसरे ज्योतिर्लिंग ओंकारेश्वर में बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं। मध्यप्रदेश की पहचान धार्मिक नगरी उज्जयिनी में हर 12वें वर्ष में होने वाले सिंहस्थ के रूप में भी होती है। मध्यप्रदेश में नदियों, तालाबों और सरोवरों से भरपूर, छोटा मुम्बई कहलाता प्रदेश की राजधानी भोपाल का बड़ा तालाब, माँ नर्मदा, ताप्ती, चंबल और क्षिप्रा की विहंगम जलधाराएं पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देती हैं।

भाजपा सदस्यता अभियान के प्रथम चरण में जिला भाजपा मंदसौर रही अव्वल

प्रदेश व्यापी समीक्षा बैठक में जिलाध्यक्ष सहित टीम की हुई प्रशंसा

मंदसौर, 28 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह, मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, प्रदेश भाजपा संगठन प्रभारी महेंद्र सिंह एंव सह प्रभारी सतीश उपाध्याय, प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा, प्रदेश सदस्यता अभियान प्रभारी एंव विधायक भगवानदास सबनानी द्वारा जिला भाजपा मंदसौर की सदस्यता अभियान में प्रदेश द्वारा निर्धारित लक्ष्य में से 87 प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने पर प्रदेश भाजपा के शीर्ष नेतृत्व द्वारा

भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया की प्रशंसा की एंव इस अवसर पर मध्य प्रदेश संगठन प्रभारी महेंद्र सिंह जी ने भाजपा जिला अध्यक्ष नानालाल अटोलिया की पीठ थपथपाई, वही प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने इस उपलब्धि पर भाजपा जिला अध्यक्ष नानालाल अटोलिया को थम्स अप दिखाकर उत्साहवर्धन किया।

इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया ने मंदसौर जिले की और से वृत्त प्रस्तुत देते हुए कहा की मंदसौर जिले में सदस्यता अभियान सफलता प्रत्येक कार्यकर्ता के मेहनत और लगन का प्रतिफल है। भारतीय जनता पार्टी के सदस्यता अभियान की अभूतपूर्व सफलता पर पार्टी नेतृत्व ने सभी कार्यकर्ताओं और समर्थकों का आभार व्यक्त किया है। श्री अटोलिया ने भाजपा के समस्त जनप्रतिनिधि, पदाधिकारीगण एंव कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम और समर्पण से ही जिला मंदसौर मध्य प्रदेश में सदस्यता अभियान में 87 प्रतिशत सफलता प्राप्त की। सदस्यता अभियान में मंदसौर जिले की मंदसौर विधानसभा में 89 प्रतिशत, मल्हारगढ विधानसभा में 100 प्रतिशत, सुवासरा विधानसभा में 71 प्रतिशत, गरोठ विधानसभा में 85 प्रतिशत सदस्य बनाने में सफलता हासिल की है। सदस्यता महा अभियान के द्वितीय चरण में भी हम हमारे लक्ष्य को शत प्रतिशत पूर्ण कर लक्ष्य से अधिक सदस्य बनने में सफल होंगे। उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी निलेश जैन ने दी।

प्रभारी मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया का आज नीमच आगमन

नीमच, 28 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री तथा नीमच जिले की प्रभारी मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया आज 29 सितम्बर 2024 को शाम 6 बजे इंदौर से सड़क मार्ग द्वारा बदनावर, जावरा, मंदसौर होते हुए रात्रि 11.55 बजे नीमच आएगी और रात्रि विश्राम नीमच सर्किट हाउस पर करेगी। प्रभारी मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया 30 सितम्बमर को प्रात:9.30 बजे नीमच से प्रस्था न कर, 10 बजे भादवामाता पहुंचकर, विकास कार्यो का निरीक्षण करेंगी। वे 11.30 बजे नीमच में जिला योजना समिति की समीक्षा बैठक एवं दोपहर 1.30 बजे ड्रोन दीदी कार्यक्रम के शुभारंभ में शामिल होने के बाद अपरान्हो तीन बजे बेटी बचाओं बेटी पढाओं योजना के तहत बाछडा समुदाय के उत्था न के लिए नीमच के टाउन हॉल में पंख अभियान के कार्यक्रम में शामिल होने के बाद शाम 7 बजे नीमच से मंदसौर के लिए प्रस्था न करेंगी।

गरबा पंडाल में सीसीटीवी कैमरे अनिवार्य रूप से लगाए-कलेक्टर

गरबा आयोजन कर्ता के साथ विशेष बैठक पुलिस कंट्रोल रूम में संपन्न

मंदसौर, 28 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग एवं पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक आनंद की अध्यक्षता में गरबा आयोजन कर्ताओं के साथ एक विशेष बैठक पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित की गई। बैठक के दौरान निर्देश दिए गए की सभी गरबा पंडाल में सीसीटीवी कैमरे अनिवार्य रूप से लगाए। कैमरे ऐसे स्थान पर लगाई जहां से पूरा क्षेत्र अच्छे से कवर हो सके। साथ ही सीसीटीवी कैमरा लगाए या नही लगाए इस संबंध में चेकिंग भी की जाएगी। सभी गरिमामय तरीके से गरबो का आयोजन करें। आदर्श गरबा का आयोजन हो। गरबे में सुरक्षा व्यवस्था की पर्याप्त व्यवस्था हो। चारों तरफ से गरबा परिसर बाउंड्री बाल से पेक हो। किसी बाहरी व्यक्ति को प्रवेश न कराए। अगर कोई बाहरी व्यक्ति गरीबों के दौरान मोबाइल से वीडियो रिकॉर्डिंग करता है, तो उसकी सूचना पुलिस को प्रदान करें। प्रशासनिक व्यवस्था की दृष्टि को ध्यान में रखते हुए बहुत अच्छे से कार्य करें। इस दौरान ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग कम से कम करें। न्यायालय के मापदंडों का पालन करें।

गरबो में आरती 8:00 से 9:00 बजे तक करें तथा गरबे रात्रि 12:00 बजे तक समाप्त करें। रात्रि 12:00 बजे पश्चात कहीं पर भी गरबा चालू अवस्था में नहीं रहेगा। गरबो में नशा करके कोई व्यक्ति प्रवेश न करें। प्रसाद बांटने के पश्चात कचरे को डस्टबिन में डालें। इसके लिए लोगों को जागरुक भी करें। साथ ही साफ-सफाई की व्यवस्था तुरंत करवाए। वोलेंटियर की सूची प्रदान करें। गरबों में महिला वोलेंटियर को स्पेशल पुलिस भी बनाया जाएगा। प्रशासनिक अधिकारी सभी को विधिवत अनुमति जारी करें। अनुमति के बाद ही आयोजन होंगे। इसके साथ ही पुलिस प्रशासन संयुक्त रूप से भ्रमण भी करें। नगर पालिका सड़कों के गड्ढे को भरे एवं साफ-सफाई का ध्यान रखें। स्वास्थ्य विभाग एंबुलेंस की व्यवस्था रखें।

सही गुणवत्ता की खाद किसानों को मिले, नकली खाद पर कार्यवाही करें

मंदसौर, 28 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने ऑनलाइन वीसी के माध्यम से सभी जिलों की उर्वरक व्यवस्था के संबंध में समीक्षा की। समीक्षा के दौरान उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि सही गुणवत्ता की खाद किसानों को मिले। साथ ही नकली खाद के संबंध में जांच कर तुरंत कार्यवाही करें। प्रदेश में पर्याप्त खाद बीज उपलब्ध है। इसका सही तरीके से वितरण किया जाए। खाद अधिक कीमत पर न बीके। साथ ही नकली खाद न बीके। इसका ध्यान रखें। प्राकृतिक खेती पर जोर दिया जाए।

सोयाबीन खरीदी के लिए पंजीयन चल रहा है। उपार्जन का कार्य सुव्यवस्थित तरीके से हो। फसल खराब होने पर फसल बीमा के अनुसार आकलन करें। वर्षा के बाद खराब हुई सड़क को तुरंत ठीक करें। वीसी के पश्चात सांसद श्री सुधीर गुप्ता द्वारा कृषि विभाग को निर्देश दिए गए की नैनो यूरिया का एसीडीओ के माध्यम से ग्रामीण स्तर पर व्यापक प्रचार प्रसार करें। जिससे अधिक से अधिक किसान इसका लाभ प्राप्त करें। इसके साथ ही नकली खाद की जांच के लिए एक लैब का प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजें। जिससे मंदसौर में भी खाद की जांच के लिए लैब स्थापित हो सके। इस दौरान मंदसौर एनआईसी कक्ष में सांसद श्री सुधीर गुप्ता, कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग, पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक आनंद, सीईओ जिला पंचायत श्री राजेश कुमार जैन मौजूद थे।

प्रतिबंधित कफ सिरप क्यों बिक रहे

हाईकोर्ट ने सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल आर्गेनाइजेशन-डीजीपी को जारी किए नोटिस

जबलपुर, 28 सितम्बर। केन्द्र सरकार द्वारा जून 2023 में अधिसूचना जारी करते हुए कई कफ सिरप के उत्पादन व बिक्री पर पूरी तरह से रोक लगा दी थी। इसके बाद भी आज कई ऐसी कंपनिया है जो धडल्ले से कप सिरफ का उत्पादन कर रही है। जो बाजार में बिक रहे है। मामले में हाईकोर्ट ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल आर्गेनाइजेशन सहित अन्य को नोटिस जारी करते हुए 22 अक्टूबर तक जवाब मांगा है।

जबलपुर निवासी अधिवक्ता अमिताभ गुप्ता द्वारा हाईकोर्ट में दायर की गई जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता ने बताया कि कफ सिरप का उपयोग स्वास्थ्य सुधारने को छोडकर नशे के लिए उपयोग किया जा रहा है। जिसको लेकर 2 जून 2023 को केंद्र सरकार ने अधिसूचना जारी करते हुए क्लोफेनिरामाइन व कोडिन के संयुक्त डोज वाले कफ सिरप के उत्पादन, वितरण व बिक्री पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया था। इसके बाद आज भी देश के कई जिलों में न सिर्फ इसका उत्पादन हो रहा है। बल्कि इसकी बिक्री भी जोरो पर है। याचिकाकर्ता का कहना है कि स्वास्थ्य विभाग व पुलिस की लापरवाही के चलते इस तरह से प्रतिबंधित कफ सिरप बाजार में बिक रहे हैं। अधिवक्ता अमिताभ गुप्ता ने बताया कि इन कफ सिरप का इस्तेमाल नशे के कारोबार के लिए किया जा रहा है। इस तरह से कफ सिरप मानव एवं पशुओं दोनों के लिए खतरनाक है। अधिवक्ता गुप्ता के मुताबिक

प्रतिबंध की अधिसूचना के बाद से अब तक करीब 40 से अधिक एफआईआर दर्ज की गई है। इससे ही है स्पष्ट है कि अभी भी इनका उत्पादन धडल्ले से हो रहा है। जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस संजीव सचदेवा व जस्टिस विनय सराफ की डिवीजन बेंच ने सेंट्रल ड्रग स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गेनाइजेशनए नारकोटिक कंट्रोल ब्यूरो नई दिल्ली के डायरेक्टर जनरल खाद्य एवं औषधि प्रशासन भोपाल के ड्रग कंट्रोलर एवं डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है मामले पर अगली सुनवाई अब 22 अक्टूबर को होगी।

लेन-देन को लेकर मारपीट, दोनों पक्षों पर क्रास केस दर्ज

पिपलियामंडी, 28 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। रुपए लेन-देन के विवाद में मारपीट के मामले में पुलिस ने दोनों पक्षों पर क्रास केस दर्ज किया। महावीरगंज निवासी दिनेशकुमार पिता संतोषचंद जैन ने पिपलिया चोकी पर शिकायत दर्ज कराई कि प्रकाशचंद पिता नाथूलाल जैन व अरिहन्त पिता प्रकाशचंद जैन ने रात्रि में घर पर आकर गाली-गलौज की, मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने दोनों के खिलाफ केस दर्ज किया। इसी तरह अरिहन्त पिता प्रकाशचंद जैन ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि मैंने जो उधार रुपए लिए थे, वह लौटाने के बाद भी दिनेश बम्बोरिया संतोष बम्बोरिया ने मेरी एक्टिवा की चाबी ले ली, मैंने मांगी तो गाली-गलौज की व मारपीट की। पुलिस ने दिनेश व संतोष बम्बोरिया पर केस दर्ज किया।

शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर श्रीमती गोधा व श्रीमती सक्सेना का विधायक ने किया सम्मान

मंदसौर, 28 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करते हुए मंदसौर जिले का प्रदेश ही नहीं देश में नाम कर शाला त्यागी बच्चों व उनके पालकों को जागरूक कर शिक्षा की मुख्य धारा से जोड कर शिक्षा के क्षेत्र में अद्वतीय कार्य करने पर शा.हा.स्कूल खजुरिया सारंग की शिक्षिका श्रीमती सुनीता गोधा को राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वही शिक्षा के क्षेत्र में वेस्ट मटेरियल द्वारा मॉडल बना कर बच्चों को विज्ञान क्षेत्र से जोडकर अद्वतीय कार्य कर बच्चों को नई प्रेरणा दी इस पर शा.बा.उ.मा. विद्यालय क्रमांक 2 मंदसौर की शिक्षिका श्रीमती कीर्ति सक्सेना को राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह उपलब्धि प्राप्त करने पर दोनों शिक्षिकाओं के निवास पर पहुंच कर मंदसौर विधायक श्री विपिन जैन ने श्रीमती सुनीता गोधा व श्रीमती कीर्ति सक्सेना का पुष्प गुच्छ, शाल व सम्मान पत्र दे कर उन्हे शुभकामनाएं व बधाई दी । इस अवसर पर आपके साथ मनोहर नाहटा, अशोक रैकवार, संजय सोनी, राजेश फरक्या, इष्ट भाचावत, विकास दशोरा, पंकज जोशी, अजय सोनी, महेश गुप्ता आदि इस अवसर पर उपस्थित थे।

स्वयंसेवकों ने किया स्वच्छता कार्य

पिपलियामंडी, 28 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। पंडित अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत स्वच्छता कार्य किया। कार्यक्रम अधिकारी सचिन कारपेंटर ने बताया स्वच्छता पखवाडे के अंतर्गत महाविद्यालय में निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया। उसके बाद स्वयंसेवकों ने नगर के धार्मिक स्थान पावागढ माता मंदिर पर स्वच्छता कार्य किया। जिसमें सिंगल यूज़ प्लास्टिक एकत्रीकरण, गाजर घास उन्मूलन और मंदिर परिसर में साफ-सफाई का कार्य किया। बाद में रैली के माध्यम से सभी ने स्वच्छता का संदेश दिया। महाविद्यालय के प्रोफेसरगण चंद्रकला चौहान, कन्हैयालाल लोहार, विजय शर्मा, कल्पना देवडा, ममता चौहान, गोविंद तंवर, राधेश्याम कटरा सहित विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सांसद गुप्ता बने केन्द्र की उद्योग समिति के सदस्य

मंदसौर, 28 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। केन्द्र सरकार ने सांसद सुधीर गुप्ता को एक बड़ी जिम्मेदारी सौंपी। सांसद गुप्ता को केन्द्र की उद्योग समिति का सदस्य बनाया गया है।

शुक्रवार को केंद्र सरकार ने विभिन्न मंत्रालयों से जुड़ी 24 संसदीय समितियों का गठन कर दिया है। इसमें पार्टियों के सदस्यों को चुना गया है। इसमें सांसद सुधीर गुप्ता को उद्योग समिति जिसमे भारी उद्योग और लोक उद्यम व सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग संबंधित कार्यो की समिति का अध्यक्ष बनाया गया। इस समिति को भारत के वाणिज्य क्षेत्र से संबंधित वाणिज्य, व्यापार नीतियों और आर्थिक विकास से संबंधित मुद्दों पर विधायी निगरानी प्रदान करने का काम सौंपा गया है। बता दें, समिति नीतिगत मामलों की समीक्षा करने और यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है कि वाणिज्य क्षेत्र देश की अर्थव्यवस्था में प्रभावी रूप से योगदान दे। संसद की इन समितियों का काम सरकार के काम में हाथ बंटाना होता है. चूंकि, संसद के पास बहुत से काम होते हैं, लिहाजा ये समितियां उन कामों को देखती है। इससे पूर्व भी केन्द्र सरकार द्वारा सांसद गुप्ता पर विश्वास दिखाते हुए उन्है पूर्व लोकसभा में विप की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी भी है एवं लोकसभा की हाउस कमिटी एवं अन्य समितियों में चयनित हुए है। साथ के मंदसौर, नीमच एवं रतलाम लोकसभा के मॉनीटरिंग समिति की भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सांसद गुप्ता के पास ही है। सांसद गुप्ता को समिति का सदस्य बनने पर क्षेत्र की जनता व कार्यकर्ताओं में काफी हर्ष है। वहीं सासंद गुप्ता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का आभार माना।

छुरा मारने के विवाद में आरोपियों को दो वर्ष का सश्रम कारावास व अर्थदण्ड

मंदसौर, 28 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। दिनांक 26/09/2019 को फरियादी मुकेश पिता कांतीलाल शर्मा ने थाना उपस्थित होकर रिपोर्ट की गई कि उसने गांव तितरोद के फकरू को 10,000/- रूपये उधार दिये थे जिसकी मांग करने पर आरोपी फकरू ने फरियादी को कहा कि वह उसकी दुकान पर आकर पैसे ले लेवे, तो फरियादी उसकी दुकान पर गया तो आरोपी फकरू उसकी दुकान के अंदर गया, और अंदर से एक छुरा निकाल कर लाया तथा एक अन्य आरोपी बाबु ने उसे पकड लिया तभी आरोपी फकरू ने उसे माँ बहिन की अश्लील गालियां दी तथा जान से मारने की नियत से उस पर वार कर दिया जिससे उसके दोनो हाथो में चोट आई। फरियादी चिल्लाया तो गांव के कन्हैयालाल, रामु, प्रकाश वहां आ गये जिन्हें देखकर आरोपीगण फरियादी को छोड़कर गाली गलोच कर व जान से मारने की धमकी देते हुये भाग गये। फरियादी की रिपोर्ट पर से थाना सीतामऊद्वारा आरोपीगण के विरूद्ध धारा 307, 324, 294, 506, 34 भा.द.वि. के तहत् मामला दर्ज कर पुलिस द्वारा अनुसंधान पूर्ण कर न्यायालय में अभियोगपत्र पेश किया गया। अभियोजन पक्ष की ओर से न्यायालय में कुल 8 साक्षीयों के बयान कराये गये तथा न्यायालय के समक्ष जब्त लोहे का छुरा, खुन से सने कपडे व खुन लगी मिट्टी भी बतौर साक्ष्य के रूप में प्रस्तुत की गई। न्यायालय द्वारा अभियोजन पक्ष की ओर से प्रस्तुत दस्तावेज, साक्ष्य आदि से सहमत होते हुए तथा उन पर विश्वास करते हुए न्यायालय प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश, के अतिरिक्त न्यायाधीश द्वारा मंदसौर म.प्र. पीठासीन अधिकारी श्री मुनेन्द्र सिंह वर्मा आरोपी फकरू व बाबू को दो वर्ष का सश्रम कारावास एवं दो-दो हजार रुपये. अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। मामले में पैरवी शासकीय अधिवक्ता भगवतीलाल शर्मा, तेजपाल सिंह शक्तावत एवं भगवानसिंह चौहान द्वारा की गई।

शिवपुरी में मंडी बोर्ड के संभागीय दल को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा, ट्रक छुड़ा ले गए लोग

शिवपुरी, 28 सितम्बर। कोलारस थानांतर्गत पूरनखेडी टोल प्लाजा पर मंडी बोर्ड के संभागीय दल के साथ शुक्रवार की देर रात कुछ लोगों ने मारपीट कर बिना टैक्स चुकाए परिवहन की जा रही मूंगफली से भरा जप्त किया गया ट्रक छीन लिया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपितों के खिलाफ आपराधिक प्रकरण कायम कर लिया है। मारपीट की पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।

यह है पूरा घटनाक्रम–जानकारी के अनुसार शुक्रवार की रात करीब 9 बजे कृषि मंडी बोर्ड संभागीय कार्यालय ग्वालियर के जेडी के निर्देश पर मंडी एएसआई विकास शर्मा, एलडीसी सूरज सिंह व प्रायवेट वाहन चालक अजहर खान स्कार्पियो वाहन क्रमांक एमपी07 सीई 2175 से कृषि उपज से भरे वाहन चैक करने के लिए आए थे। 27 सितम्बर की रात करीब 9 बजे उक्त टीम पूरनखेडी टोल प्लाजा पर वाहन चैकिंग कर रहे थे।

मूंगफली दाना भरा था–इसी दौरान एक कंटेनर को रोक कर चैक किया तो उस वाहन में मूंगफली दाना भरा था। टीम ने वाहन के ड्रायवर से मंडी शुल्क के दस्तावेज मांगे तो ट्रक चालक ने कागजात न होना बताया, इस पर मंडी एएसआई विकास शर्मा ने उक्त वाहन को जब्ती पंचनामा बनाकर चालक के कथन लिए।

कुछ देर से आया और हमला कर दिया–कुछ देर बाद वाहन मालिक दीपक तोमर एक थार में तीन साथियों के साथ आया और टीम में शामिल सदस्यों को दौडा-दौडा कर पीटा तथा वाहन चालक को वाहन सहित भगा दिया। इस मामले में मंडी टीम की लापरवाही यह रही कि वह बिना पुलिस टीम के कार्रवाई कर रही थी। पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ धारा 132,121(1),118 (1), 126(2),3(5) बीएनएस के तहत प्रकरण कायम कर लिया है।

कार्यालय अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी मंदसौर (मप्र)

क्रमांक/ मंदसौर दिनांक

विज्ञप्ति

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि वाहन स्वामी राधेश्याम भील पिता मोहनलाल भील निवासी ग्राम रिस्थल, तहसील सीतामऊ, जिला मंदसौर की मृत्यु दिनांक 08.01.2022 को हो गई है। इनके ट्रेक्टर जिसका रजिस्ट्रेशन क्रमांक एमपी 14 एसी 1826 को इनकी पत्नी श्रीमती संतोषबाई भील ने अपने नाम पर अंतरण दर्ज कराने हेतु इस कार्यालय में मूल दस्तावेज प्रस्तुत किये है।

इस प्रकाशन अवधि के सात दिवस में यदि किसी को आपत्ति हो तो इसे कार्यालय में प्रस्तुत करें। इसके पश्चात वाहन उक्त ट्रेक्टर को श्रीमती संतोषबाई भील के नाम से अंतरण कर दिया जावेगा।

अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, मंदसौर

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मंदसौर म.प्र.

E-Mail-modgmman@mp.gov.in

क्रमांक/1275/खनिज/2024 मंदसौर, दिनांक-24.09.2024

म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18(1-क) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा प्राप्त करने के लिए

//// प्रथम सूचना ////

यह सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री पशुपतिनाथ इन्फ्राटेक, फस्ट फ्लोर, माल गोदाम रोड, मंदसौर, जिला मंदसौर द्वारा क्रेशर मशीन लगाकर गिट्टी बनाने एवं विक्रय के लिए पत्थर खनिज का उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर आनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 19.09.2024 को प्रस्तुत किया गया है। दिनांक 29.10.2024 तक इस क्षेत्र पर यथा स्थित उत्खनिपट्टा आवेदन आन लाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई-खनिज पोर्टल https://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नं.	रकबा	भूमि का प्रकार (शासकीय/निजी)	खनिज का नाम	रिमार्क
मंदसौर	मल्हारगढ़	अरनियामीणा	3	4.000 है.	शासकीय	गिट्टी पत्थर एवं एम सेड़ एवं मुरम (क्रेशर आधारित)	---

1. उपरोक्त प्रस्तुत आनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 29.10.2024 तक कार्यालयीन समय सायं 5.30 बजे तक आनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। 2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरान्त आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन प्राप्त होते है, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा। 3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन पत्र प्राप्त होते है तो पुनः 15 दिवस की अवधि आवेदन प्राप्त करने हेतु निर्धारित कर विज्ञप्ति प्रकाशित की जाएगी। उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र एवं पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त आवेदन पत्र को मप्र गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा। 4. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरान्त भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा। 5. निर्धारित समयावधि के उपरान्त प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नहीं लिया जाएगा।

प्रभारी अधिकारी

G-16868/24 जीवन है अनमोल, तो क्यों करे यातायात नियमों से खेल। **खनिज शाखा जिला मंदसौर म.प्र.**

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in